E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 115 | प्रयागराज, गुरूवार 16 जुलाई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

समझौता नहीं किया तो कुछ नहीं बचेगा...

ईरान अब होर्मुज को अपना 'गोल्डन वेपन' मानता है। उसका मानना है कि इस समुद्री रास्ते पर पकड़ अमेरिका के खिलाफ सबसे बड़ा दबाव बनाने का जरिया है।

अमेरिका ने लगातार चौथे दिन ईरान पर एयरस्ट्राइक किया, ट्रम्प बोले- अगले हफ्ते बिजलीघर और पुल उड़ाएंगे

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी सेना ने मंगलवार रात लगातार चौथे दिन ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। इसके साथ ही ईरानी बंदरगाहों की समुद्री नाकेबंदी भी शुरू कर दी है। अमेरिका का कहना है कि यह कार्रवाई ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए की जा रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा, 'हम मंगलवार रात (भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह) भी हमला करेंगे, उसके अगले दिन भी करेंगे। अगले हफ्ते ईरान के बिजलीघर और पुल भी निशाने पर होंगे। अगर समझौता नहीं किया, तो वहां कुछ नहीं बचेगा।' ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका के हमले तब तक जारी रहेंगे, जब तक ईरान बातचीत के लिए तैयार नहीं हो जाता। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर जमीनी सैन्य अभियान भी चलाया जा सकता है, हालांकि इसके लिए सहयोगी देशों की मदद ली जा सकती है। पिछले 24 घंटे वेः 5 बड़े अपडेट्सः-आईआरजीसी का व्यापारिक जहाजों पर हमलाः ईरानी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे दो व्यापारिक जहाजों पर हमला किया। इसमें 1 भारतीय शख्स की मौत हो गई जबकि 10 लोग घायल हुए। जहाज पर कुल 20 भारतीय क्रू मेंबर सवार थे। भारत ने ईरानी राजदूत को तलब कियाः भारत ने होर्मुज में जहाजों पर हुए हमलों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के उप प्रमुख (डिप्टी चीफ ऑफ मिशन) को तलब कर भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया। समंदर में भारत से जुड़े 11 जहाज फंसेः विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत से जुड़े 11 जहाज और 148 भारतीय नाविक फिलहाल फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं। ये सभी जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने का इंतजार कर रहे हैं। ट्रम्प ने होर्मुज में 20इ टैक्स का फैसला वापस लियाः ट्रम्प ने होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर 20% टैक्स लगाने का अपना फैसला वापस ले लिया। उन्होंने मिडिल ईस्ट के नेताओं के साथ बातचीत के बाद यह फैसला लिया। होर्मुज में जहाजों की आवाजाही सबसे कमः होर्मुज स्ट्रेट मंगलवार को सिर्फ 4 जहाज गुजरे। 17 जून को अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन के बाद यह सबसे कम शिपिंग ट्रैफिक है।

2004 से पेट्रोल में एथेनॉल मिल रहा, नुकसान का कोई सबूत नहीं- ऐवरेज सड़क और ट्रैफिक की स्थिति पर निर्भर-राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी

नयी दिल्ली। राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि एथेनॉल से गाड़ियां खराब होने का कोई प्रमाण नहीं है। साथ ही उन्होंने बताया कि वैकल्पिक ईंधन से देश का तेल आयात कम होगा, प्रदूषण घटेगा और किसानों की आय बढ़ेगी। उन्होंने कहा मैं परिवहन मंत्री हूं और ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के मानक तय करना मेरा अधिकार है। कौन-सा ईंधन इस्तेमाल होगा, इसका अंतिम फैसला पेट्रोलियम मंत्रालय करता है। मैं पिछले 25 साल से किसानों के हित में वैकल्पिक ईंधन पर काम कर रहा हूं। देश 22 लाख करोड़ रुपए का पेट्रोलियम आयात करता है। दिल्ली के प्रदूषण का 40% हिस्सा परिवहन से आता है। इसे कम करना भी हमारी जिम्मेदारी है। देश को हर साल करीब 1450 करोड़ लीटर एथेनॉल की जरूरत है, जबकि हमारी उत्पादन क्षमता 1750-1800 करोड़ लीटर तक पहुंच चुकी है। एथेनॉल सिर्फ गन्ने से नहीं, बल्कि मोलासेस, मक्का, टूटे चावल, पराली और बांस से भी बनाया जा रहा है। इससे करीब 2 लाख करोड़ रुपए का तेल आयात बचा है, प्रदूषण कम हुआ है और किसानों की आय बढ़ी है। उन्होंने बताया माइलेज सड़क और ट्रैफिक की स्थिति पर निर्भर करता है। एथेनॉल की कैलोरी वैल्यू पेट्रोल से थोड़ी कम होती है, इसलिए कुछ परिस्थितियों में मामूली अंतर आ सकता है। लेकिन एथेनॉल सस्ता है, प्रदूषण कम करता है और फ्लेक्स-फ्यूल इंजन आने के बाद यह अंतर और कम हो जाएगा। हर देश की परिस्थितियां अलग होती हैं। भारत अपनी जरूरत और

संसाधनों के हिसाब से नीति बना रहा है। हमारा लक्ष्य तेल आयात कम करना और प्रदूषण घटाना है। ब्राजील में 1970 से 100इ एथेनॉल का इस्तेमाल हो रहा है। वहां एक ही पेट्रोल पंप पर कई तरह के ईंधन उपलब्ध हैं। भारत में अभी उस स्तर तक पहुंचना बाकी है। पूछने पर की ई-20 से गाड़ियां खराब होने की शिकायतें आ रही हैं? उन्होंने कहा इसका कोई प्रमाण नहीं है। 2004 से पेट्रोल में एथेनॉल मिलाया जा रहा है। अब तक किसी की गाड़ी खराब होने का कोई प्रमाण सामने नहीं आया। सोशल मीडिया पर भ्रामक बातें फैलाई जा रही हैं। कच्चे तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर करती हैं। पेट्रोल के दाम तय करना पेट्रोलियम मंत्रालय का अधिकार है, मेरा नहीं। सरकार कीमतों में स्थिरता बनाए रखने की कोशिश करती है। सवालः अगर कच्चे तेल (क्रूड) की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ जाए, तब भी एथेनॉल फायदे का सौदा रहेगा? गडकरीः यह सही है कि कच्चे तेल की कीमत बहुत कम होने पर एथेनॉल की आर्थिक बढ़त कम हो सकती है। लेकिन हमारा मकसद सिर्फ लागत घटाना नहीं है। ऊर्जा सुरक्षा, प्रदूषण में कमी, किसानों की आय बढ़ाना और भारत को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाना भी उतना ही जरूरी है। इसलिए वैकल्पिक ईंधन भविष्य की जरूरत हैं। मोटे तौर पर हमारे रोड की क्वालिटी अच्छी है। हम एक मशीन लाए हैं, एक्सरे मशीन जैसी। पूरे रोड का एक्सरे निकलकर हमारे पास आता है। मैंने पिछले महीने में राज्यों के 950 प्रोजेक्ट में से एक-एक का रिव्यू लिया। बहुत कंपनियों को ब्लैकलिस्ट किया। आजकल ठेकेदारों का रेटिंग होता है। अभी रेटिंग की लिस्ट भी हम प्रकाशित करने वाले हैं। मैं सुविधा की नहीं, सिद्धांतों की राजनीति करता हूं। राजनीति मेरे लिए सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का माध्यम है। मैं सत्ता के लिए नहीं, समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए राजनीति में आया हूं। देश में 2 जनरेशन एथेनॉल मौजूद, थर्ड जनरेशन बायोफ्यूल पर सरकार का फोकसः- फर्स्ट जनरेशन एथेनॉल : फर्स्ट जनरेशन एथेनॉल गन्ने के रस, मीठे चुकंदर, सड़े आलू, मीठे ज्वार और मक्का से बनाया जाता है। सेकेंड जनरेशन एथेनॉल : सेकेंड जनरेशन एथेनॉल सेल्युलोज और लिग्नोसेल्यूलोसिक मटेरियल जैसे- चावल की भूसी, गेहूं की भूसी, कॉर्नकॉब (भुट्टा), बांस और वुडी बायोमास से बनाया जाता है।

पीएम मोदी ने स्लोवाकिया के नेता को बिहारी ठेकुआ खिलाया-खाने का वीडियो भी शेयर किया

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले महीने स्लोवाकिया के दौरे पर गए थे। वहां उन्होंने संसद अध्यक्ष रिचर्ड रासी को बिहार का पारंपरिक व्यंजन ठेकुआ गिफ्ट किया था। अब रासी ने ठेकुआ खाते हुए अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जो काफी चर्चा में है। वीडियो में रासी गिफ्ट बॉक्स खोलकर ठेकुआ निकालते हैं और उसका स्वाद चखते हैं।

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक औपचारिक उपहार नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति और परंपरा की झलक है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी यह ठेकुआ बिहार से लेकर आए थे, जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। रासी ने कहा कि ठेकुआ उन्हें स्लोवाकिया की कुछ पारंपरिक मिठाइयों की याद दिलाता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें बिहार का ठेकुआ भेंट किया, जबकि उन्होंने बदले में हिंदी में लिखे विशेष स्लोवाक स्पा वेफर्स उपहार में दिए।

भारत पर 100फीसदी टैरिफ लगा सकता है अमेरिका, रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर गिर सकती हैं गाच

-संसद में बिल पेश, 5 देश निशाने पर-

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंधों से जुड़ा एक

संशोधित बिल पेश किया गया है। इसमें रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100फीसदी तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। बिल वेः मुताबिक भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान पर 100फीसदी टैरिफ लगाया जा सकता है। यह बिल रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के समर्थन से लाया जा रहा है। इसका मकसद रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर हो सकेः। इसकेः तहत रूस वेः अधिकारियों, शैडो टैंकर बेड़े, केंद्रीय बैंक और सरकारी ऊर्जा परियोजनाओं पर भी प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। पहले बिल वेः शुरुआती मसौदे में 500फीसदी टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था, लेकिन बाद में इसे घटाकर 100फीसदी कर दिया गया। अगर यह बिल पास हो जाता है, तो अमेरिका पहली बार किसी देश पर सिर्फ इसलिए टैरिफ लगाएगा, क्योंकि वह रूस से तेल खरीदकर उसकी कमाई बढ़ा रहा है। भारत ने पिछले महीने आधे से ज्यादा तेल रूस से खरीदा-भारत ने जून 2026 में रूस से रिकॉर्ड 26.1 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा, जो देश के कुल तेल आयात का 52.4फीसदी था। यानी पिछले महीने भारत में आयात होने वाले हर दो बैरल तेल में एक से ज्यादा बैरल रूस से आया। रूस लगातार भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बना हुआ है। मई के मुकाबले जून में रूस से तेल आयात में करीब 39फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यूरोपीय देशों को टैरिफ में राहत देगा अमेरिका-रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने वाले चीन, फ्रांस, जापान, हंगरी और बेल्जियम को भी इसके दायरे में रखा गया है। हालांकि, जो देश रूस की कुल गैस निर्यात का 15फीसदी से कम आयात करते हैं और अपनी निर्भरता घटाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं, उन्हें छूट मिल सकती है। सीनेट में पेश बिल के तहत 15 यूरोपीय देशों को प्रस्तावित 100फीसदी टैरिफ से छूट दी गई है। इन देशों को राहत इसलिए दी गई है, क्योंकि ये रूस से 15फीसदी से कम प्राकृतिक गैस खरीदते हैं और धीरे-धीरे उस पर अपनी निर्भरता भी कम कर रहे हैं। डेमोक्रेट सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कहा कि यह बिल यूरोपीय सहयोगियों के खिलाफ नहीं है। इसका निशाना सिर्फ वे देश हैं, जो अब भी रूस के तेल कारोबार को सबसे ज्यादा आर्थिक सहारा दे रहे हैं। बिल में रूस के ऊर्जा उद्योग, वित्तीय संस्थानों, रक्षा औद्योगिक ढांचे, कारोबारियों और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तक पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है।सीनेट में पेश रूस-विरोधी टैरिफ बिल को रिपब्लिकन और डेमोक्रेट, दोनों दलों का समर्थन मिला है। इसे अमेरिकी राजनीति में 'बाइपार्टिसन बिल' कहा जाता है। यानी ऐसा प्रस्ताव जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों सहमत हों। नौकरियां जाएंगी और रुपया कमजोर होगाः 100फीसदी टैरिफ से अमेरिका को होने वाला रु2.1 लाख करोड़ का कपड़ा, हीरा और दवा निर्यात ठप हो जाएगा।इससे इन उद्योगों में काम करने वाले करीब 15 से 20 लाख लोग प्रभावित हो सकते हैं। निर्यात घटने से देश में डॉलर की कमी होगी, जिससे भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर हो सकता है।

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पॉवर प्लांट का डेटा लीक, दावा- हैकर्स ने ब्लूप्रिंट, सप्लायर्स और अन्य रिकॉर्ड की जानकारी करि लीक

नयी दिल्ली। भारत वेः सबसे बड़े न्यूक्लियर पॉवर प्लांट कुडनकुलम से जुड़े हजारों

दस्तावेज लीक हो गए हैं। रायटर्स के मुताबिक, हैकर्स ग्रुप 'वर्ल्ड लीक्स' ने डार्क वेब पर इन दस्तावेजों को अपलोड करने का दावा किया है। इनमें पॉवर प्लांट वेः कुछ हिस्सों वेः ब्लूप्रिंट, सप्लायर्स की जानकारी और अन्य रिकॉर्ड सार्वजनिक किए गए हैं। कुडनकुलम प्रोजेक्ट में शामिल अनिल अंबानी वेः रिलायंस ग्रुप ने बयान जारी कर कहा कि थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी 'योड्डा' के सर्वर पर उसके कुछ डेटा में सेंध लगी थी। इस घटना की जानकारी सरकार को दे दी गई है। हालांकि कंपनी ने यह नहीं बताया कि कौन-सा डेटा प्रभावित हुआ।न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) रिलायंस के साथ मिलकर मामले की समीक्षा कर रहा है। वहीं भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम भी इस डेटा लीक की जांच कर रही है।

लखनऊ केजीएमयू के हॉस्टलों में नॉनवेज बैन,सपा बोली- तुगलकी फरमान

लखनऊ। लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के हॉस्टलों में नॉन-वेज पर बैन को लेकर सियासत शुरू हो गई है। सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने बुधवार को कहा- यह आदेश तुगलकी फरमान है। जो भाजपा सांसद बंगाल में मछली-भात खाते हैं, उनके लिए कोई राज्यपाल आनंदीबेन पटेल कोई आदेश देंगी क्या? केवल यूपी में आने के बाद आपकी विचारधारा बदल जाती है। लखनऊ ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने कहा- केजीएमयू प्रशासन को फैसला वापस लेना चाहिए। भारत में 61फीसदी से अधिक लोग मांसाहारी हैं। मेडिकल के नजरिए से मांसाहारी भोजन मानव स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। शिया धर्मगुरु मौलाना यासूब अब्बास ने कहा- 'यूनिवर्सिटी का फैसला है। इस पर किसी को टिप्पणी करने की जरूरत नहीं है। अगर कोई नॉन-वेज खाना चाहता है तो बाहर जाकर खा सकता है। इसे सियासत से नहीं जोड़ना चाहिए।'

ट्रम्प ने होर्मुज में 20फीसदी टैक्स का फैसला वापस लिया, 24 घंटे में ही बैकस्टेप, ईरानी तंज़-हम थोड़ा कम लेंगे

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर 20फीसदी टैक्स लगाने का अपना फैसला महज 24 घंटे के भीतर वापस ले लिया। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि मिडिल ईस्ट के नेताओं के साथ बातचीत के बाद उन्होंने इसे खत्म करने का फैसला लिया है। अब इसकी जगह खाड़ी देश अमेरिका में बड़े पैमाने पर निवेश करेंगे। इससे अमेरिका में लाखों रोजगार पैदा होंगे। ट्रम्प ने सोमवार को ऐलान किया था कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से 20फीसदी टैक्स वसूला जाएगा। हालांकि इस फैसले की कई देशों ने आलोचना की थी। ईरान ने भी इस पर तंज कसते हुए कहा था कि ट्रम्प की बात बिल्कुल सही है, लेकिन 20फीसदी टैक्स बहुत ज्यादा है। ईरान इससे कम टैक्स वसूलेगा। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्सः-अमेरिका की ईरान पर 5 घंटे बमबारीः अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान के शहरों पर 5 घंटे तक बमबारी की और बुशहर,

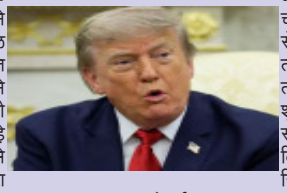

चाबहार, जास्क, कोनार्क, अबू मूसा और बंदर अब्बास स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। ट्रम्प बोले- होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर 20फीसदी टैक्सःअमेरिका होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा करेगा। इसके बदले हर कार्गो पर 20फीसदी शुल्क वसूलेगा। ईरानी जहाजों और उसके ग्राहकों पर नई पाबंदियां लागू कीं। ईरान का जवाब- सुरक्षा हम देते हैं, लेकिन 20फीसदी ज्यादाः ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ट्रम्प के बयान का जवाब देते हुए कहा कि सुरक्षित समुद्री रास्ता उपलब्ध कराने वाले को भुगतान मिलना चाहिए और यह जिम्मेदारी हमेशा से ईरान निभाता आया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 20 प्रतिशत तो बहुत ज्यादा है। हम उचित शुल्क लेंगे। अमेरिका ने ईरान के सबमरीन और नेवल बेस पर हमला कियाः सेंट्कॉम ने बंदर अब्बास स्थित सबमरीन और नेवल मेंटेनेंस फैसिलिटी पर सी-ड्रोन से हमला किया। अईरान की नौसैनिक क्षमता को निशाना बनाया। दावा- रूस का स्पेशल कमांड एयरक्राफ्ट तेहरान पहुंचाः अमेरिका-ईरान तनाव के बीच रूस का स्पेशल कमांड एयरक्राफ्ट टीयू-214पीयू तेहरान पहुंचा। यह विमान परमाणु या बड़े युद्ध के दौरान राष्ट्रपति और सेना के कमांड सेंटर के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

भारत-यूके के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हुआ लागू, व्हिस्की, कारें और कपड़े सस्ते मिलेंगे-समझें किन चीजों के दाम बदलेंगे

नई दिल्ली। भारत में यूके की कारें, व्हिस्की, कपड़े और फुटवियर आज से सस्ते मिलेंगे। में इस समझौते पर साइन किए थे। इस व्यापार समझौते के लागू होने से पहले भारत में यूके की

आज से भारत-यूके के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लागू हो गया है। यानी अब भारत के 99फीसदी सामानों को यूके में जीरो टैरिफ पर निर्यात किया जाएगा। वहीं यूके वेः 99फीसदी सामान 3फीसदी एवरेज टैरिफ पर आयात होंगे।इससे 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 120 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। करीब 3 साल में 14 राउंड की बातचीत के बाद 24 जुलाई 2025 को वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटिश व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने पीएम नरेंद्र मोदी और ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर की मौजूदगी हाई कमिश्नर लिंडी कैमरन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'उल्टी गिनती शुरू हो गई है! यूके और भारत इस बात पर सहमत हैं कि फ्री ट्रेड एग्रीमेंट 15 जुलाई से लागू हो जाएगा। यह आधुनिक यूके-भारत पार्टनरशिप वेः लिए ऐतिहासिक पल है। यह दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए ग्रोथ के नए युग की शुरुआत करेगा।' सवाल 1: भारत में कौन सी चीजें सस्ती होंगी? जवाबः यूके से आयात होने वाले सामानों पर औसत टैरिफ 15फीसदी से घटकर 3फीसदी होगा।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

मिस्त्र में 3000 साल पुराना मकबरा मिला

गीज़ा। 13 जुलाई को मिस्त्र में पुरातत्वविदों ने प्राचीन मकबरा खोजा है। ये मकबरा 3 हजार

साल पुराना है। ये मकबरा फराओ युग यानी न्यू किंगडम काल के लगभग 1550 ईसा पूर्व से 1069 ईसा पूर्व का है। मिस्र की सुप्रीम काउंसिल ऑफ एंटीक्विटीज (एससीए) वेः महासचिव हिशाम एल वेः मुताबिक, मकबरे की दीवारों पर मिले शिलालेखों में मालिक का नाम 'पासेर' लिखा हुआ है। दीवारों पर बनी कलाकृतियों और चित्रों के आधार पर न्यू किंगडम काल में राजा के किसी अधिकारी का माना जा रहा है। इसमें एक खुला आंगन, चट्टानों को काटकर बनाया गया उल्टे 'टी' आकार का प्रार्थना कक्ष और कई अंडरग्राउंड कमरे मिले हैं। इसके नीचे दफनाने के लिए विशेष कक्ष भी बनाए गए हैं, जो हजारों साल बाद भी काफी हद तक सुरक्षित पाए गए हैं। खुदाई के दौरान पुरातत्वविदों को मिट्टी की ईंटों से बना एक मंच भी मिला, जिसके बारे में माना जा रहा है कि इसका उपयोग अंतिम संस्कार से जुड़े अनुष्ठानों में किया जाता था। इसके साथ ही प्रवेश द्वार तक जाने वाली सीढ़ियां भी अच्छी स्थिति में मिली हैं। पुरातत्वविद अभी इस मकबरे की विस्तृत जांच कर रहे हैं। इसके साथ ही पुरातत्वविद ये भी रिसर्च कर रहे हैं कि यहां दफन व्यक्ति की सामाजिक भूमिका क्या थी और उस समय वेः मिस्र में धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराएं कैसी थीं। मिस्र सरकार को उम्मीद है कि इस नई खोज से देश की पुरातात्विक विरासत के प्रति वैश्विक रुचि बढ़ेगी और पर्यटन क्षेत्र को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

यूक्रेन और यूरोप के 9 देशों ने रक्षा गठबंधन किया

पेरिस। 13 जुलाई को यूक्रेन और यूरोप के 9 देशों ने रूस के बैलिस्टिक मिसाइल खतरे से

निपटने के लिए नया रक्षा गठबंधन बनाया। फ्रांस वेः राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की समेत सभी देशों के अधिकारी शामिल हुए। इस नए गठबंधन का मकसद पूरे यूरोप के लिए साझा बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम तैयार करना है। ये फैसला पेरिस में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं की बैठक में लिया गया। इस बैठक में यूक्रेन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, इटली, नीदरलैंड, डेनमार्क, नॉर्वे, स्पेन और स्वीडन शामिल हुए। इस बैठक का उद्देश्य रूस की बैलिस्टिक मिसाइल के खतरों से यूरोप को बचाना है। इस बैठक में पूरे यूरोप के लिए एक इंटीग्रेटेड मिसाइल डिफेंस सिस्टम विकसित किया जाएगा। इस गठबंधन में मिसाइल वार्निंग सिस्टम डेवलप किया जाएगा और उससे जुड़ी जानकारी शेयर की जाएगी। ये सभी देश संयुक्त सैन्य अभ्यास और रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करेंगे। इसमें रूस वेः खिलाफ चार साल से युद्ध लड़ रहे यूक्रेन के अनुभवों को भी शामिल किया जाएगा।

रायबरेली में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मक्का खरीद शुरू, किसान जल्द कराएं ऑनलाइन पंजीकरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को जिला खाद्य विपणन अधिकारी रायबरेली कमलेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) योजना के तहत जनपद में किसानों से मक्का खरीद प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा मक्का का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,400 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इस मूल्य पर किसानों से सीधे मक्का की खरीद की जाएगी। जनपद रायबरेली में मक्का खरीद के लिए कुल दो क्रय केंद्रों को जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद संचालित किया गया है। इनमें ऊंचाहार तहसील स्थित ऊंचाहार उप मंडी तथा जगतपुर में मक्का क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने बताया कि मक्का विक्रय के इच्छुक किसानों के लिए खाद्य एवं रसद विभाग की वेबसाइट fcs.up.gov.in अथवा विभाग के मोबाइल ऐप [illegible] पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य है। उन्होंने जनपद के सभी किसान भाइयों से अपील की है कि वे समय से अपना ऑनलाइन पंजीकरण कराकर अधिक से अधिक संख्या में मक्का का विक्रय करें तथा भारत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना का लाभ उठाएं।

अमृता विश्व विद्यापीठम संस्थान के सहयोग से राजकीय सम्प्रेक्षण गृह में ध्यान योग शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित पाल सिंह के निर्देशानुसार व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली अनिशा के मार्गदर्शन में अमृता विश्व विद्यापीठम संस्थान से आये नारेन्द्र आनन्द व स्वेता आनन्द के द्वारा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह रायबरेली में आवासित बालकों को मानसिक व शारीरिक रुप से सुदृढ़ बनाने हेतु ध्यान योग शिविर का आयोजन किया गया। इस ध्यान योग शिविर में राजकीय सम्प्रेक्षण गृह में आवासित बालकों के द्वारा बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया गया। अमृता विश्व विद्यापीठम संस्था से आये नारेन्द्र आनन्द व स्वेता आनन्द के द्वारा अपने उद्बोधन में बताया गया कि योग और ध्यान का नियमित अभ्यास शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। इससे शारीरिक लचीलापन, ताकत और मानसिक शांति बढ़ती है। ये अभ्यास तनाव कम करते हैं, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में सुधार करते हैं और एक बेहतर व संतुलित जीवनशैली प्रदान करते हैं। इस ध्यान योग शिविर में डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल जय सिंह यादव, अधीक्षक सम्प्रेक्षण गृह शीतला प्रसाद, काउंसलर सौरभ चौधरी, पैरामेडिकल स्टाफ अमित विक्रम, मधुबाला व पराविधिक स्वयं सेवक पवन कुमार श्रीवास्तव, मनोज कुमार प्रजापति व राजकमल के द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।

डीएम ने की जल जीवन मिशन प्रगति की सघन समीक्षा

समयबद्ध सड़कों को रिस्टोर करने एवं शत-प्रतिशत घरेलू जल कनेक्शन सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जल निगम द्वारा संचालित जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी पेयजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने, फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (एफ0एच0टी0सी0), जल गुणवत्ता, निर्माण कार्यों की प्रगति तथा जनसुविधाओं से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल जीवन मिशन के सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का उद्देश्य प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है, इसलिए कार्यों में तेजी लाकर शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जाए। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण रिस्टोरेशन कराया जाए, जिससे आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को सड़क बहाली के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने एवं निर्धारित समयसीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने एफ0एच0टी0सी0 (घरेलू नल कनेक्शन) के कार्यों में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त मैनपावर एवं टीमों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि प्रत्येक पात्र परिवार को शीघ्र जल कनेक्शन उपलब्ध कराया जा सके। साथ ही उन्होंने कहा कि कार्यों की दैनिक समीक्षा करते हुए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों को प्राथमिकता के आधार पर पेयजल सुविधा से आच्छादित करने के निर्देश देते हुए कहा कि इन संस्थानों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता बच्चों के स्वास्थ्य एवं बेहतर शिक्षण वातावरण के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जल गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित करने तथा पेयजल आपूर्ति से संबंधित शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने पर भी बल दिया। बैठक में कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता बनाए रखें तथा विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर सभी लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) रणविजय सिंह, अधिशासी अभियंता जल निगम (शहरी) अफजाल खान, अधिशासी अभियंता सिंचाई सुशील यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

एडीए कॉलोनी, नैनी में चोरों का 'प्रमोशन' चोरी से बढ़कर डकैती तक पहुंचा अपराध!

एडीए कॉलोनी में डिवाइडर से हटाए गए बोर्डों की चोरी, स्थानीय लोगों ने उठाए सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/नैनी। एडीए कॉलोनी में प्रशासनिक कार्रवाई के तहत नगर निगम द्वारा डिवाइडर पर लगे बोर्ड हटाए जाने के बाद क्षेत्र से बोर्ड गायब होने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों का दावा है कि लाखों रुपये की लागत से बने बोर्ड ई-रिक्शा और छोटे हाथी वाहन से खुलेआम ले जाए गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ लोगों को रोकने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने किसी की बात नहीं मानी। कुछ स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित व्यक्ति नशे की हालत में थे और बेखौफ होकर बोर्ड ले गए। क्षेत्र में इस घटना को लेकर चर्चाओं का माहौल है। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं, कुछ लोगों द्वारा 'जैकी' नामक व्यक्ति का उल्लेख किया जा रहा है, लेकिन इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए किसी भी व्यक्ति की संलिप्तता की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल नगर निगम या पुलिस की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यदि शिकायत दर्ज की जाती है, तो जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

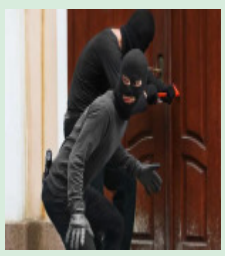

Gem of आधुनिक समाचार 2026

डॉ. रश्मि सिंह- 'चिकित्सा, सेवा और समाजहित की प्रेरक पहचान'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। डॉ. रश्मि सिंह आज चिकित्सा, उद्यमिता और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में एक सशक्त और प्रेरणादायी नाम हैं। 25 वर्षों के चिकित्सकीय अनुभव के साथ उन्होंने अनेक जटिल एवं असाध्य रोगों से पीड़ित अनगिनत मरीजों को पूर्णतः स्वस्थ करने में सफलता प्राप्त की है। डॉ. राठौर्स होम्योपैथी के निदेशक के रूप में वे न केवल रोगियों को समर्पित उपचार उपलब्ध करा रही हैं, बल्कि होम्योपैथिक चिकित्सा को जन-जन तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। एक वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक के रूप में उनकी पहचान संवेदनशीलता, अनुभव और मानवीय दृष्टिकोण पर आधारित है। कोविड-19 महामारी के कठिन दौर में डॉ. रश्मि सिंह ने पूरे देश के लोगों को उचित एवं प्रभावी निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श और उपचार उपलब्ध कराकर समाज की महत्वपूर्ण सेवा की। संकट की इस घड़ी में उनके समर्पण, मानवता एवं निरंतर सेवा-भाव के लिए उन्हें 'कोरोना वॉरियर्स अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके उत्कृष्ट चिकित्सकीय योगदान, समाजसेवा और जनकल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। चिकित्सा सेवा के साथ-साथ डॉ. रश्मि सिंह ने उद्यमिता और सामाजिक कार्य को भी अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो ([illegible]) की प्रदेश सलाहकार (2022-2023) एवं प्रदेश अध्यक्ष (2023-2024) रह चुकी हैं, जहां उन्होंने मानवाधिकारों की रक्षा, जन-जागरूकता और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर सक्रिय योगदान दिया। इसके साथ साथ गंगा समग्र की संयोजक के रूप में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जनभागीदारी से जुड़े अभियानों को भी मजबूती दी। उनकी कार्यशैली का सबसे बड़ा आधार सेवा-भाव है। वे स्वास्थ्य को केवल उपचार तक सीमित नहीं मानतीं, बल्कि इसे जागरूकता, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़कर देखती हैं। इसी दृष्टिकोण के कारण उन्हें चिकित्सा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा और सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'राष्ट्रीय चिकित्सा रत्न' सम्मान एवं अनेकों ना सिर्फ राज्य स्तरीय बल्कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है। डॉ.रश्मि सिंह का जीवन इस बात का उदाहरण है कि यदि संकल्प, संवेदना और समर्पण साथ हों, तो एक व्यक्ति समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत धारा प्रवाहित कर सकता है। वे आज उन चुनिंदा व्यक्तित्वों में शामिल हैं, जिन्होंने अपने कार्य से यह सिद्ध किया है कि सच्ची सफलता वही है, जो दूसरों के जीवन में आशा, स्वास्थ्य और विश्वास का संचार करे। DR RASHMI SINGH Director- Dr RATHORE'S HOMOEOPATHY, beside Income Tax office, Stanley Road, Civil Lines, PRAYAGRAJ.Contact:- +91 9936109033

जनपद में धारा 163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा 10 सितम्बर तक लागू - डीएम

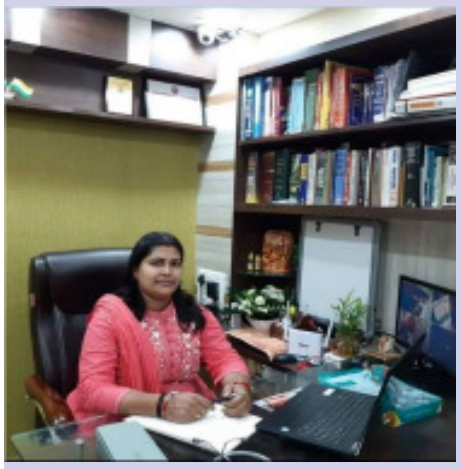

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद में 30 जुलाई 2026 से सावन मास प्रारम्भ होकर 28 अगस्त 2026 तक रहेगा इस मध्य सावन के प्रत्येक सोमवार शिव मंदिरों में जलाभिषेक, विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, दर्शन-पूजन, मेला, गंगा स्नान आदि श्रद्धालुओं द्वारा किया जायेगा। सावन के सोमवार 03, 10, 17 एवं 24 अगस्त को है। 04 अगस्त को चेहल्लुम, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 26 अगस्त को ईद-ए-मिलाद/बारावफात, 28 अगस्त को रक्षा बंधन, 04 सितम्बर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, पूर्णिमा/अमावस्या पर्व पर गंगा स्नान एवं विभिन्न आयोग एवं भर्ती बोर्ड से आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाएं, प्राविधिक शिक्षा परिषद/विश्वविद्यालय की गतिमान वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाओं के आयोजन, परीक्षा पुस्तिकाओं का मूल्यांकन व संचारी रोगों के प्रभावी रूप से रोकथाम के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देश का क्रियान्वयन किया जाना है। उक्त परिस्थितियों के दृष्टिगत वर्तमान में समयाभाव के कारण पक्षों को सुनने के उपरान्त आदेश पारित किया जाना संभव नहीं है। जिला मजिस्ट्रेट सरनीत कौर ब्रोका ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जनपद में लोक परिशान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु एकपक्षीय रूप से निषेधाज्ञा जारी किया है। जिसके अनुसार किसी भी सार्वजनिक स्थान पर 05 से अधिक व्यक्ति को एक साथ एकत्रित होने से प्रतिबन्धित किया जाता है। किसी भी व्यक्ति द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा की आंतरिक गोपनीयता भंग नहीं की जायेगी। कोई भी व्यक्तियों का समूह, राजनैतिक संगठन एवं उसका सदस्य/कार्यकर्ता तथा कोई भी संस्था के सदस्य द्वारा धार्मिक भावनाओं की ठेस पहुंचाने तथा अफवाहों का प्रचार निषिद्ध किया जाता है। किसी प्रकार की धार्मिक उत्तेजना की सामग्री फैलाना प्रतिबन्धित किया जाता है। कोई भी व्यक्ति लाठी-डण्डा ढेला, ईंटा, पत्थर, सोड़ा वाटर की बोतले आदि जिनसे किसी को आघात पहुँचाई जा सकती है, तद्नुसार उनका एकत्रित किया जाना प्रतिबन्धित किया जाता है। किसी भी व्यक्ति को आपत्तिजनक पोस्टर, हैण्डविल छापने व वितरित करने से प्रतिबन्धित किया जाता है।किसी भी व्यक्ति द्वारा दूसरे धर्म के/सम्प्रदाय के लोगों तथा उनके धार्मिक स्थलों व मकानों पर रंग, कीचड़ आदि डालने, साम्प्रदायिक विद्वेष पैदा करने वाले नारे लगाने, नशे में अश्लील शब्दों का प्रयोग एवं खतरनाक तरीके से वाहन चलाना, दुकानदारों, राहगीरों, वाहन चालकों से जबरन चंदा वसूलना प्रतिबंधित किया जाता है। डी0जे0, साउन्ड, अन्य सभी प्रकार के ध्वनि विस्तारक वाद्ययंत्रों को निर्धारित ध्वनि मात्रा से अधिक ध्वनि पर बजाने व रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 06:00 बजे तक समस्त प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्रों को बजाने से प्रतिबन्धित किया जाता है। इसके अतिरिक्त म्यूजिक सिस्टम/लाउडस्पीकर का बिना समक्ष स्तर से अनुमति के सार्वजनिक प्रयोग प्रतिबन्धित किया जाता है। गंगा स्नान, व अन्य किसी प्रकार के प्रयोजन में व्यक्तियों के आवागमन में टैक्टर ट्राली, मालवाहक वाहनों का प्रयोग कदापि नहीं किया जायेगा। विधि मान्य सवारी वाहनों से ही व्यक्तियों के आवागमन की अनुमति दी जाये। धार्मिक यात्राओं/जुलूसों में अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन करना, सडक/मार्ग अवरोध करना, ट्यूबलाइट, बल्ब फोड़ना, तेज रफ्तार वाहन चलाकर स्टंटबाजी करना, अश्लीलता का प्रदर्शन करना, साम्प्रदायिक सौहार्द खराब करने संबंधी किसी प्रकार के नारे, टिप्पणी, आदि कृत्य करने से प्रतिबन्धित किया जाता है। जिला मजिस्ट्रेट ने यह निषेधाज्ञा 15 जुलाई 2026 से 10 सितम्बर 2026 तक सम्पूर्ण जनपद में प्रभावी रहेगी, एवं जनपद रायबरेली की सीमा के अंतर्गत सामान्य रूप से रहने वाले/आने-जाने वाले सभी नागरिकों /व्यक्तियों पर लागू होगी। किसी के द्वारा कोई भी ऐसा कार्य नहीं किया जायेगा, जिससे लोक परिशान्ति विखण्डित होने अथवा पारस्परिक सौहार्द में कोई व्यवधान उत्पन्न होने की सम्भावना हो। इसका उल्लंघन की धारा-223 भारतीय न्याय संहिता-2023 के अंतर्गत दंडनीय अपराध होगा। यह निषेधाज्ञा मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा सहित निर्गत की जाती है।

27 लीटर अवैध कच्ची शराब, 03 अभियोग पंजीकृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के आदेशानुसार अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-5 सरिता सिंह मय हमराह द्वारा थाना डलमऊ तहसील डलमऊ के जोहवानटकी, आमपुर के विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। दबिश के दौरान अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों/संदिग्ध घरों में कुल लगभग 27 लीटर अवैध कच्ची शराब एवं 150 किलो लहन बरामद कर लहन को मौके पर नष्ट करते हुए 03 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए। तहसील में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

हर बच्चा विद्यालय तक पहुँचे, शिक्षा से कोई न रहे वंचित- जिलाधिकारी

डीएम ने मलिन बस्ती में स्कूल चलो अभियान के तहत 10 बच्चों का कराया पंजीकरण,ड्रॉपआउट छात्रा का भी कराया नामांकन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद में शत-प्रतिशत नामांकन एवं प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित बेसिक शिक्षा विभाग के "स्कूल चलो अभियान" के अंतर्गत जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने नया पुरवा, मलिन बस्ती पहुंचकर बच्चों एवं अभिभावकों से संवाद किया तथा शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने स्वयं पहल करते हुए 10 बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराया तथा उन्हें निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया, जिसमें से पांच बच्चों का कम्पोजिट विद्यालय चकअहमदपुर व पांच बच्चों का कम्पोजिट विद्यालय सत्यनगर में नामांकन कराया गया। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण आधार बनाए जाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने एक बच्ची जिसने किसी कारणवश अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ दी थी, उससे मिलकर उसे शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित करते हुए बच्ची का कक्षा-07 में पुनः नामांकन करवाया। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा या बच्ची आर्थिक, सामाजिक अथवा अन्य किसी कारण से शिक्षा से वंचित न रहे, यह प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिलाधिकारी ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें और उनकी शिक्षा में सक्रिय सहयोग करें। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा बच्चों को निःशुल्क शिक्षा, पाठ्य पुस्तकें, यूनिफॉर्म, मध्याह्न भोजन सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है, जिनका लाभ प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में ऐसे सभी बच्चों की पहचान कर उन्हें विद्यालय से जोड़ा जाए, जिन्होंने किसी कारणवश पढ़ाई छोड़ दी है या अभी तक विद्यालय में नामांकित नहीं हैं। साथ ही विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए नामांकन के साथ-साथ नियमित उपस्थिति पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह सहित बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्व युवा कौशल दिवस पर राजकीय आईटीआई में भव्य कार्यक्रम आयोजित,उत्कृष्ट प्रशिक्षार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं मेडल प्रदान कर किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) गोरा, बाजार, रायबरेली में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका व जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धीलाल पासी द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर सदस्य कामगार आयोग सुशील गुप्ता, अध्यक्ष लघु उद्योग भारती सुरेश गुप्ता, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य, जिला सेवायोजन अधिकारी तनुजा यादव एवं प्रधानाचार्य महिला आईटीआई नेहा उपस्थित रहीं। अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कौशल विकास एवं आईटीआई के प्रशिक्षार्थियों द्वारा प्रशिक्षण अवधि में निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका अतिथियों द्वारा अवलोकन कर सराहना की गई। कार्यक्रम में संस्थान के सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले, उच्च वेतनमान पर सेवायोजित तथा स्वरोजगार स्थापित करने वाले प्रशिक्षार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही कौशल विकास मिशन द्वारा 14 जुलाई 2026 को आयोजित रोजगार मेले में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र भी वितरित किए गए। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में विश्व युवा कौशल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए युवाओं से निरंतर कौशल विकास करने, नवीन तकनीकी ज्ञान अर्जित करने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष ने अपने उद्बोधन से युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक युवा को किसी न किसी कौशल में दक्षता अवश्य प्राप्त करनी चाहिए, जिससे वह आत्मनिर्भर बनकर समाज और देश के विकास में योगदान दे सके। कार्यक्रम के समापन पर नोडल प्रधानाचार्य विवेक तिवारी ने जिलाधिकारी एवं जिलाध्यक्ष को स्मृति-चिह्न भेंट किया तथा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सी.एम. श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर कौशल विकास मिशन से राजीव कुमार सिंह एवं वंदना सिंह तथा आईटीआई से कार्यदेशक राजकुमार मौर्य, हरिश्चंद्र, नरेंद्र बहादुर सिंह यादव, कंचन विश्वकर्मा, अंकिता यादव, शोना, वर्तिका, राकेश कुमार, चंद्रकांत, विनोद भास्कर, आशीष कुशवाहा, आकाश कुमार सहित संस्थान के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रशिक्षार्थी उपस्थित रहे।

महिला कृषि उद्यमियों के सशक्तिकरण हेतु तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रसार निदेशालय शुआट्स प्रयागराज के सभागार में जया फाउन्डेशन गोमती नगर, लखनऊ द्वारा प्रायोजित लघुधारक कृषकों के आयवर्धन हेतु महिला कृषक उद्यमी परियोजना अन्तर्गत महिला कृषि उद्यमियों के सशक्तिकरण हेतु तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ दिनांक 15 जुलाई 2026 को किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुये संयुक्त कृषि निदेशक, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज श्री अनिल कुमार सागर ने बताया कि भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं कृषि क्षेत्र में प्रगति एवं विकास में ग्रामीण महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। ग्रामीण महिलायें कृषि क्षेत्र में स्थायी विकास व आर्थिक, सामाजिक व पर्यावरणीय सुधार में नेतृत्वकारी भूमिका निभा रही हैं। उन्होनें कहा कि कृषि क्षेत्र के कार्यों में महिलाओं की व्यापक भागीदारी को देखते हुए ग्रामीण महिलाओं को ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूक बनाया जाता है जिससे वे व्यक्तिगत, पारिवारिक रूप से सशक्त हो सके एवं साथ ही अपने ग्रामीण क्षेत्र एवं अन्य कृषक महिलाओं को भी उद्यमिता के अवसर प्रदान कर सके। कार्यक्रम में उपस्थित निदेशक प्रसार, शुआट्स प्रयागराज डा0 प्रवीन चरन ने कृषक महिला उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की कुल आबादी में आधा हिस्सा महिलाओं का है किन्तु इसके उपरान्त भी वे

अपने मूलभूत अधिकारों से वंचित हैं। आवश्यक है कि ग्रामीण महिलाओं को शिक्षित एवं आर्थिक रूप से निर्भर व सक्षम बनने की इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य है कि ग्रामीण क्षेत्र में कृषि कार्यों में कार्यरत महिलायें फसल उत्पादन, संरक्षित खेती, पशुपालन, मशरूम उत्पादन, दुग्ध व्यवसाय व कुटीर उद्योगों के क्षेत्र में प्रशिक्षित होकर आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर हो सकें। इस अवसर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित शुआट्स विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो0 (डा0) विश्वरूप मेहरा ने कृषक महिलाओं को श्रीअन्न उत्पादन एवं प्रसंस्करण के माध्यम से आयवर्धन हेतु जानकारी देते हुए कहा कि श्रीअन्न की फसलों को सीमित संसाधन एवं कम उर्वर भूमियों में भी उत्पादित किया जा सकता है। उन्होनें बताया कि आज के समय में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के आयवर्धन हेतु लघु कुटीर उद्योगों के रूप में भी मोटे अनाजों के उत्पाद उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। प्रशिक्षण समन्वयक डा0 शैलेन्द्र कुमार सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा से परिचित कराया साथ ही ग्रामीण कृषक महिलाओं को संरक्षित खेती के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि पॉलीहाउस / ग्रीनहाउस / लो-टर्नल पॉलीहाउस में औद्यानिक फसलों, पौधशाला प्रबन्धन, फलदार वृक्षों एवं नर्सरी प्रबन्धन करके अच्छा उत्पादन प्राप्त कर ग्रामीण महिलायें अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकती हैं जया फाउन्डेशन, लखनऊ के निदेशक श्री रजनीकांत प्रसाद ने अपने सम्बोधन में कहा कि जया फाउन्डेशन ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक विकास के समान अवसरों को उपलब्ध कराने के लिए दृढ़ संकल्प है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं को एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन, जैविक खेती, एकीकृत कीट प्रबन्धन, जैविक कीटनाशक, प्राकृतिक खेती आदि विभिन्न विषयों पर कुशल प्रशिक्षण प्राप्त करने का एक अवसर प्रदान कर रहा है जिसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की महिलायें आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बन सके एवं अपने गांव, प्रदेश एवं देश की आर्थिक प्रगति का प्रतिनिधित्व कर सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक डा0 शिशिर कुमार, डा0 टी0डी0 मिश्रा, डा0 मनीष कुमार केसरवानी, डा0 योगेश चन्द्र श्रीवास्तव, डा0 सरवेन्द्र कुमार, श्रीमती मीना नेथन एवं प्रसार निदेशालय के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। डा0 प्रवीन चरन निदेशक प्रसार

अब बरसात में 'पानी-पानी' नहीं होगा रॉबट्‌र्सगंज,जलभराव के स्थायी समाधान के लिए 23.62 करोड़ रुपये की लागत से होगा नाला का निर्माण

वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर तैयार किया गया ड्रेनेज प्लान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नगर पालिका परिषद रॉबर्ट्सगंज में बरसात के दौरान

होने वाली जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करते हुए जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने 23.62 करोड़ रुपये की लागत से 4.46 किमी लंबे नाला निर्माण को स्वीकृति प्रदान की है। गौरतलब है कि जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने मौके पर जाकर इमरती कालोनी व उसके आस-पास के स्थलों का स्थल का निरीक्षण किया था। जहां पर नगर वासियों ने इमरती कालोनी हाईवे के सामने पुसौली बढौली चौराहे के मिशन अस्पताल के सामने जल भराव की समस्या से अवगत कराया था। उक्त समस्या का निराकरण करने हेतु जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने टीम बनाकर जल जीवन मिशन शहरी के अधिकारियों के टीम बनाकर कार्य योजना बनाने के निर्देश दिये थे। जिलाधिकारी के निर्देश पर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। नगर के लिए वैज्ञानिक एवं तकनीकी आधार पर ड्रेनेज नेटवर्क विकसित करने के उद्देश्य से विस्तृत फीजिबिलिटी स्टडी एवं ड्रेनेज डिजाइन तैयार कराया गया, जिसमें स्थल निरीक्षण, भू-स्तर (लेवल सर्वे), हाइड्रोलॉजी, कंटूर मैप, सैटेलाइट सर्वे तथा विगत 30 वर्षों के वर्षा आंकड़ों का विस्तृत विश्लेषण किया गया। तकनीकी अध्ययन के दौरान नगर क्षेत्र के लिए तीन संभावित ड्रेनेज मार्गों का परीक्षण किया गया। पहला विकल्प नीलकंठ रेस्टोरेंट से चुर्क रोड मार्ग था, जिसे तकनीकी रूप से असंभव पाया गया। इस मार्ग पर भूमि का स्तर आगे बढ़ने के साथ ऊँचा होता जाता है, जिससे गुरुत्वाकर्षण के आधार पर वर्षा जल का प्रवाह संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में पूरे मार्ग पर पम्पिंग सिस्टम स्थापित करना पड़ेगा, जो अत्यधिक खर्चीला एवं अव्यावहारिक है। दूसरे विकल्प के रूप में पुसौली पोखरा मार्ग का परीक्षण किया गया, किन्तु इस मार्ग पर वर्षा जल के निकास के लिए कोई प्राकृतिक आउटफॉल उपलब्ध नहीं मिला। रेलवे लाइन पार करने के बाद जल निकासी का कोई उपयुक्त स्रोत न होने से इस विकल्प को भी तकनीकी रूप से अस्वीकार कर दिया गया। अध्ययन में तीसरा विकल्प नीलकंठ रेस्टोरेंट से कचहरी ड्रेन रूट सर्वाधिक उपयुक्त एवं व्यवहारिक पाया गया। इस मार्ग पर भूमि का प्राकृतिक ढाल लगातार नीचे की ओर है, जिससे बिना किसी पम्पिंग व्यवस्था के वर्षा जल का प्रवाह संभव होगा। प्रस्तावित ड्रेन से वर्षा जल कचहरी ड्रेन होते हुए सजौर पोखरा के समीप स्थित मुख्य सिंचाई नाले में प्रवाहित होगा, जिससे नगर के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा। प्रस्तावित ड्रेनेज परियोजना की कुल लंबाई लगभग 4,461 मीटर (4.46 किलोमीटर) होगी। परियोजना में विभिन्न आकार की आरसीसी नालियों का निर्माण, आवश्यक कल्वर्ट, रेलवे एवं नहर क्रॉसिंग, साइफन निर्माण, विद्युत पोल एवं ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग तथा पेयजल पाइपलाइन के स्थानांतरण सहित सभी आवश्यक आधारभूत कार्य शामिल किए गए हैं। तकनीकी अनुमान के अनुसार परियोजना की मूल निर्माण लागत लगभग रूपया 17.95 करोड़ है। डिजाइन एवं वेटिंग शुल्क, श्रम उपकर, जीएसटी तथा अन्य प्रभारों सहित परियोजना की कुल अनुमानित लागत लगभग रूपये 23.62 करोड़ निर्धारित की गई है। तकनीकी विशेषज्ञों ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट अनुशंसा की है कि कचहरी ड्रेन रूट ही रॉबर्ट्सगंज नगर के लिए एकमात्र तकनीकी रूप से उपयुक्त एवं दीर्घकालिक समाधान है। रिपोर्ट में इस एलाइनमेंट पर विस्तृत सर्वेक्षण पूर्ण कर अंतिम डिजाइन तैयार करते हुए परियोजना को आगे बढ़ाने की संस्तुति की गई है। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कहा कि नगरवासियों को जलभराव की समस्या से स्थायी राहत दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है। वैज्ञानिक एवं तकनीकी अध्ययन के आधार पर तैयार इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, जिससे भविष्य में रॉबर्ट्सगंज नगर को एक सुदृढ़ एवं आधुनिक जलनिकासी व्यवस्था उपलब्ध कराई जायेगी।

जिलाधिकारी की पहल से रॉबर्ट्सगंज को जलभराव की समस्या से मिलेगी निजात,डीएमएफ फंड से से होगा 4.46 किमी लंबे नाला का निर्माण

विश्व युवा कौशल दिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर प्रशिक्षार्थियों के द्वारा कौशल प्रदर्शनी लगाई गई जिसका उद्‌घाटन भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला एवं श्री ज्ञान सिंह वर्तमान उपाध्यक्ष बीजेपी यमुनापार के द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित करके प्रदर्शनी का उद्‌घाटन किया गया प्रधानाचार्य श्री अशोक कुमार के द्वारा बताया गया की प्रशिक्षार्थियों के द्वारा लगाए गए कौशल प्रदर्शनी को प्रथम द्वितीय, तृतीय स्थान के रूप में पुरस्कृत किया गया एवं श्री अमृत लाल गुप्ता अप्रेंटिसशिप प्रभारी के द्वारा मारुति सुजुकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के एचआर श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह का स्वागत किया गया मारुति सुजुकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के एचआर श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह के द्वारा अप्रेंटिस के बारे में परीक्षार्थियों

को जानकारी दी गई एवं इस अवसर पर मारुति कम्पनी के द्वारा 105 प्रशिक्षार्थियों को अप्रेंटिसशिप में चयनित किया गया तथा मुख्य अतिथियों के द्वारा नियुक्ति पत्र दिया गया व उप प्रधानाचार्य सीमा रंजन के द्वारा बताया गया प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के द्वारा दसवीं बारहवीं बीए . बीएससी बीकॉम, एमएससी, एमकॉम, बीसीए, एमबीए, एमसीए के प्रशिक्षार्थियों के लिए छह माह व 12 महीने के लिए योजना प्रधानमंत्री के द्वारा चलाई गई है जिसमें इंटर्नशिप के दौरान प्रशिक्षार्थियों को 9000 प्रतिमाह दिया जाएगा और कंपनी में ज्वॉइन करने पर 6000 रहने की व्यवस्था के लिए दिया जाएगा इस अवसर पर संस्थान के समस्त अनुदेशक व कार्यदेशक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री वी. वी कौशलकार्यदेशक के द्वारा किया गया जिसमें श्री मोहन लाल उपप्रधानाचार्य श्री राकेश शर्मा, श्री राम प्रीत राम सुंदरिका प्रसाद कार्यदेशक श्रीमती रंजना शुक्ला, वीरेन्द्र नाथ शुक्ला अनुदेशक आदि लोगो का सहयोग रहा।

मतदान केन्द्रों के आलेख्य प्रकाशन पर राजनीतिक दलों के साथ बैठक सम्पन्न,21 प्रस्तावों में 8 स्वीकृत, 13 प्रस्ताव निरस्त

18 जुलाई तक मतदान केन्द्रों को दिया जाएगा अंतिम रूप-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र

400-घोरावल, 401-रॉबर्ट्सगंज, 402-ओबरा (अ.ज.जा.) एवं 403-दुद्धी (अ.ज.जा.) के मतदेय स्थलों का आलेख्य प्रकाशन 04 जुलाई, 2026 को कर जिला वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया था। साथ ही आमजन से 12 जुलाई, 2026 तक मतदान केन्द्रों एवं स्थलों के संबंध में सुझाव एवं आपत्तियां लिखित रूप में जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराने की अपील की गई थी। इसी क्रम में प्राप्त सुझावों एवं आपत्तियों के परीक्षण हेतु 15 जुलाई, 2026 को माननीय सांसद, माननीय विधायकगण तथा मान्यता प्राप्त समस्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि जनपद में वर्तमान में 1,563 मतदान स्थल एवं 973 मतदान केन्द्र निर्धारित हैं। उल्लेखनीय है कि मतदान केन्द्रों एवं स्थलों के प्रस्तावों के संबंध में 01 जुलाई, 2026 को भी सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में अवगत कराया गया कि समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) तथा आम आदमी पार्टी की ओर से कुल 21 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। जांच के उपरांत 08 प्रस्ताव स्वीकृत किए गए, जबकि 13 प्रस्ताव आयोग के मानकों के अनुरूप न पाए जाने के कारण निरस्त कर दिए गए। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से पुनः अपील की कि वे मतदान केन्द्रों एवं स्थलों का एक बार फिर अध्ययन कर लें। यदि किसी प्रकार का परिवर्तन अपेक्षित हो तो अगले दो दिवस के भीतर अपना सुझाव अथवा आपत्ति लिखित रूप में जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करा दें, ताकि परीक्षण के उपरांत 18 जुलाई, 2026 तक मतदान केन्द्रों एवं स्थलों को अंतिम रूप प्रदान किया जा सके।

वर्तमान की मांग है पर्यावरण संरक्षण - गुनेन्द्र प्रकाश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। औघड़ लीगल एसोसिएट्स सिविल कोर्ट रायबरेली के तत्वाधान में सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीसी (फौ0) समाजवादी चिंतक, स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी परिवार के दीपक ओपी यादव का 73वां जन्म दिन पर्यावरण संरक्षण दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर उ0प्र0 के विभिन्न जनपदों में फलदार, सायादार एवं औषधी के 73 पौधे रोपित किए गए। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ0प्र0 न्यायिक सेवा संघ के महासचिव अपर जिला जज गुनेन्द्र प्रकाश ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की मांग है। पौधों में भी जान होती है और वह भी सांस लेते हैं। पेड़ों द्वारा छोड़ी जाने वाली आक्सीजन मानव जीवन के लिए वरदान है।

सिरमौर बुद्ध विहार सेवा संस्थान गंगौली सोइया की मासिक बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। बुद्धवार को सिरमौर बुद्ध विहार सेवा संस्थान

गंगौली सोइया अमेठी की मासिक बैठक सम्पन्न हुई।बैठक में कुछ लोगों द्वारा स्थानीय बुद्ध विहार के प्रबंधक भंते प्रज्ञा मित्र के साथ विगत दिनों हुए अभद्र व्यवहार की निंदा की गयी।दोबारा ऐसे व्यवहार की पुनरावृत्ति न हो इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक कार्रवाई पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में उपस्थित रहे प्रमुख पदाधिकारियों व सदस्यों में संस्थान के प्रबंधक सुखदेव बौद्ध, उर्फ भंते प्रज्ञा मित्र अध्यक्ष श्याम लाल उर्फ भंते धम्म दीप, सचिव रामफल फौजी, कोषाध्यक्ष रामटहल उर्फ भंते शीलरतन, रामकिशोर, रामसमुझ (चौधरी) बाबूलाल, हीरा लाल, रामदेव (अमीन,) नजरू, छोटेलाल, नीरज बौद्ध व के पी सविता (बौद्ध) आदि रहे।

पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय भोपाल (म.प्र.) द्वारा चलाये जा रहे अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म.प्र/शहडोल। पुलिस

महानिदेशक पुलिस मुख्यालय भोपाल (म.प्र.) द्वारा चलाये जा रहे अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान दिनांक 15/07/26 से 30/07/26 तक नशामुक्ति जनजागृति अभियान चलाने हेतु निर्देश प्राप्त हुये है पुलिस अधीक्षक शहडोल संजय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं अति. पुलिस अधीक्षक शहडोल अभिषेक दीवान तथा एस.डी.ओ.पी. ब्यौहारी रिषभ छारी के दिशा निर्देशन मे ब्यौहारी पुलिस द्वारा दिनांक 15/07/26 को बस स्टेण्ड ब्यौहारी थाना ब्यौहारी जिला शहडोल मे उपस्थित नागरिको को नशा नही करने के संबंध मे समझाईस दी गई एवं लोगो को नशे से होने वाले नुकसान के संबंध मे जानकारी दी गई तथा जनप्रतिनिधि के साथ रैली / ड्रग अवेयरनेस रन का आयोजन किया गया एवं शपथ दिलाई गई। उक्त अभियान मे लगभग 70 लोगो ने अपनी सहभागिता दी तथा शपथ ली गई। उक्त अभियान मे एस.डी.ओ.पी. ब्यौहारी रिषभ छारी, थाना प्रभारी ब्यौहारी निरी. जियाउल हक एवं अधीनस्थ स्टाफ उप निरी. सुरेश कुमार, प्र.आर. 764 नरेन्द्र उपाध्याय, प्रआर.685 रामजी गौतम उपस्थित रहे।

औद्योगिक क्षेत्रों में ट्रिपिंग रोकने को आरएमयू लगाने पर जोर

यूपीएसआईए मीडिया हाउस में विद्युत विभाग और उद्योग प्रतिनिधियों की बैठक, पारदर्शिता व उपभोक्ता सुविधाओं पर हुई चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक संघ (यूपीएसआईए) के मीडिया हाउस में उद्योग प्रतिनिधियों एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए रिंग मेन यूनिट (आरएमयू) की स्थापना और बार-बार होने वाली ट्रिपिंग की समस्या के स्थायी समाधान पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में अधीक्षण अभियंता (एसई), अधिशासी अभियंता (इम्प्लान्ट ड्रग्स), एसडीओ एवं जेई के साथ उद्योग प्रतिनिधियों में अरविंद राय, के. खान, नीरज श्रीवास्तव, अनंत चंद्र, अनुज तिवारी, दिवाकर शुक्ला, राजीव नायर, अद्वैत मोहन और डॉ. पुनीत अरोड़ा उपस्थित रहे। विनय टंडन ऑनलाइन माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि लगातार ट्रिपिंग के कारण औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, इसलिए प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में आरएमयू स्थापित कर विद्युत आपूर्ति को अधिक विश्वसनीय बनाया जाना चाहिए। ऑनलाइन जुड़े विनय टंडन ने उद्योगों की सुविधा के लिए चेक के माध्यम से बिजली बिल जमा करने की व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने का मुद्दा उठाया। वहीं अनंत चंद्र

ने विभागीय कार्यों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए शिकायतों, लंबित कार्यों और उनके निस्तारण की स्थिति को गूगल शीट के माध्यम से साझा करने का सुझाव दिया, जिससे उद्योगों और विद्युत विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सके। बैठक में अधिकारियों ने उद्योगों की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को अधिक विश्वसनीय, पारदर्शी और उपभोक्ता हितैषी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

सोनभद्र में मिशन सेफ फ्यूचर का बड़ा एक्शनः अभियान के अंतर्गत 57 स्कूली वाहनों का चालान, 27 वाहन सीज

बिना फिटनेस, बीमा, परमिट और सुरक्षा मानकों के दौड़ रहे स्कूल वाहनों पर एआरटीओ की सख्त कार्रवाई, 4.82 लाख रुपये का जुर्माना वसूला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन सेफ फ्यूचर अभियान के तहत सोनभद्र परिवहन विभाग ने व्यापक जांच अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। अभियान के दौरान अब तक की गई कार्रवाई में 57 स्कूली वाहनों का चालान, 27 वाहनों को सीज किया गया, जबकि विभिन्न परिवहन नियमों के उल्लंघन पर 4.82 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। यह कार्रवाई सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) कौशल कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई। जांच के दौरान कई स्कूली वाहन बिना फिटनेस प्रमाणपत्र, बिना वैध बीमा, बिना परमिट तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन किए बिना संचालित होते पाए गए। कई वाहनों में अग्निशमन यंत्र, प्राथमिक उपचार किट, आपातकालीन निकास सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं भी नहीं मिलीं।

वाहनों की जाँच करते एआरटीओ कौशल कुमार सिंह

एआरटीओ ने ऐसे सभी वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई करते हुए चालान और सीज की कार्रवाई सुनिश्चित की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एआरटीओ कौशल कुमार सिंह ने कहा कि मिशन सेफ फ्यूचर अभियान का उद्देश्य स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना है। जिन वाहनों में फिटनेस, बीमा, परमिट या अन्य आवश्यक दस्तावेज नहीं मिले अथवा सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई है। सभी स्कूल प्रबंधकों एवं वाहन संचालकों से अपील है कि वे अपने वाहनों का संचालन परिवहन विभाग के निर्धारित मानकों के अनुरूप ही करें। नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध आगे भी अभियान लगातार जारी रहेगा और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं,शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश

प्रतिदिन प्रातः 10 से 12 बजे तक अधिकारी कार्यालयों में बैठकर करें जनसुनवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में आमजन की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें प्राप्त प्रत्येक शिकायत का निस्तारण पूरी पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं निष्पक्षता के साथ किया जाना चाहिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का स्थलीय सत्यापन कर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतकर्ता को समयबद्ध न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक अपने-अपने कार्यालयों में अनिवार्य रूप से बैठकर जनसुनवाई करें, ताकि अधिक से अधिक लोगों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर ही त्वरित समाधान हो सके। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि तहसील एवं विकास खंड मुख्यालयों पर भी नियमित रूप से जनसुनवाई आयोजित कर फरियादियों की शिकायतें सुनते हुए उनका मौके पर ही यथासंभव निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के त्वरित समाधान से आमजन का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

जिलाधिकारी के अनुमोदन से सहकारी समितियों को यूरिया एवं डीएपी उर्वरक आवंटित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी सोनभद्र के अनुमोदन से खरीफ अभियान-2026 के दौरान किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की संस्तुति के आधार पर जनपद की सहकारी समितियों एवं इफको केन्द्रों को यूरिया एवं डीएपी उर्वरक का आवंटन स्वीकृत किया गया है। इसके अंतर्गत 70 सहकारी समितियों को कुल 1017.00 मीट्रिक टन यूरिया तथा 73 सहकारी समितियों एवं इफको के 12 केन्द्रों को कुल 1155.00 मीट्रिक टन डीएपी उर्वरक आवंटित किया गया है। स्वीकृत आवंटन के अनुरूप पीसीएफ द्वारा संबंधित समितियों एवं उर्वरक बिक्री केन्द्रों पर उर्वरक भेजने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। किसान उचित मूल्य पर खरीदें उर्वरक, उपलब्धता की लें जानकारीः-जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त किसान बंधुओं से अपील की है कि वे अपने निकटतम सहकारी समिति अथवा उर्वरक बिक्री केन्द्र से संपर्क कर उर्वरकों की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करें तथा निर्धारित एवं उचित मूल्य पर ही उर्वरक खरीदें। उन्होंने कहा कि प्रशासन किसानों को समयबद्ध एवं पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जिससे खरीफ फसलों की बुवाई एवं उत्पादन प्रभावित न हो। कालाबाजारी एवं ओवररेटिंग पर होगी सख्त कार्रवाईः-जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि उर्वरकों की कालाबाजारी, ओवररेटिंग अथवा कृत्रिम अभाव उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी किसान को ऐसी कोई शिकायत प्राप्त होती है तो वह तत्काल सहकारिता विभाग के कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 9198788248 एवं 9451637073, जिला कृषि अधिकारी कार्यालय के मोबाइल नंबर 9452165778 अथवा अपर जिला कृषि अधिकारी के मोबाइल नंबर 8881173660 पर सूचना दें। प्राप्त शिकायतों पर प्रशासन द्वारा तत्काल जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

गैंगस्टर एक्ट के तहत सोनभद्र पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अपराध से अर्जित रु28 लाख मूल्य के दो वाहन कुर्क

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल श्री राजेश कुमार राय के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक घोरावल श्री बृजेश सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना घोरावल पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत प्रभावी कार्रवाई करते हुए अपराध से अर्जित संपत्ति के रूप में प्रयुक्त दो वाहनों को कुर्क किया गया। उक्त कार्रवाई थाना शाहगंज पर पंजीकृत मु0अ0सं0-01/2026, धारा 3(1) उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम से संबंधित प्रकरण में की गई। विवेचना के दौरान अभियुक्तों द्वारा अपराध से अर्जित धन से खरीदे एवं प्रयुक्त किए जा रहे वाहनों का चिन्हीकरण कर आख्या जिला मजिस्ट्रेट, सोनभद्र को प्रेषित की गई। जिला मजिस्ट्रेट, सोनभद्र द्वारा निर्गत कुर्की आदेश के अनुपालन में दिनांक 14.07.2026 को गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के अंतर्गत दोनों वाहनों को विधिवत कुर्क किया गया। कुर्क किए गए वाहनों का विवरण- 1. प्रकाश माहखुड़ पुत्र बसन्त माहखुड़, निवासी ग्राम मंगलपुर कुसुपगा, थाना कंटा बनिया, जनपद ढेंकानाल (ओडिशा)। वाहनः ट्रक संख्या ओडी-06बी-7503, अनुमानित मूल्यः रु8,00,000, 2. निरंजन बग्घा पुत्र गनेश बग्घा, निवासी ग्राम हरेकृष्णापुर, थाना इतामाती, जनपद नयागढ़ (ओडिशा)। वाहनः डीसीएम संख्या ओडी-02 सीबी-5536 अनुमानित मूल्यः रु20,00,000 कुर्की की कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम- 1. प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र। 2. उपनिरीक्षक सुभाष यादव, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र। 3. हेड कांस्टेबल राज सिंह राणा, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र। 4. हेड कांस्टेबल राजीव कुमार, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र।

हिंदुआरी में बनेगी आत्मनिर्भर वृहद गौशाला,डीएमएफ फंड से 1.60 करोड़ रुपये की लागत से होगा निर्माण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप निराश्रित एवं बेसहारा गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में सोनभद्र जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने नई हिंदुआरी में डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन (डीएमएफ) फंड से एक आत्मनिर्भर वृहद गौशाला के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना पर 1 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत आएगी तथा निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित गौशाला का उद्देश्य निराश्रित एवं बेसहारा गोवंश के संरक्षण, संवर्धन एवं समुचित पुनर्वास की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करना है। गौशाला में गोवंश के सुरक्षित आवास के लिए दो आधुनिक शेड बनाए जाएंगे, जिनके निर्माण पर 82.88 लाख रुपये व्यय होंगे। इसके अतिरिक्त चारा भंडारण के लिए 12.67 लाख रुपये की लागत से भंडारण कक्ष का निर्माण भी कराया जाएगा, जिससे वर्षभर चारे की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से परिसर में लगभग 15 लाख रुपये की लागत से वर्मी कम्पोस्ट यूनिट स्थापित की जाएगी। गोबर से तैयार होने वाली जैविक खाद की बिक्री से प्राप्त आय का उपयोग गौशाला में गोवंश के चारा, पानी, उपचार एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर किया जाएगा। इससे गौशाला का संचालन दीर्घकाल तक आर्थिक रूप से सुदृढ़ एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि गौशाला में गोवंश के लिए स्वच्छ पेयजल, नियमित टीकाकरण, पशु चिकित्सा सुविधा तथा समुचित देखभाल की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

आदिवासी परिवारि जन अनादार नहीं आस्था के केन्द्र हैं-संदीप मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/कोन। कोन ब्लॉक के चकरिया ग्राम पन्चायत में पेड़ है तो प्राण है अभियान के तहत सभी परिवारि जनो को सैकड़ों फलदार पौधे वितरित किए गये किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा के नेतृत्व में आज चकरिया के लोगों के साथ मिलकर जल जंगल जमीन को बचाने को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संदीप मिश्रा ने कहा कि आज ये केन्द्र सरकार जो सोनभद्र की सासो का सौदा अपने स्वार्थी सहयोगी सेठो के साथ मिलकर करना चाहती है उसे किसी भी किमत पर नहीं करने दिया जायेगा एक भी अपने आदिवासी परिवारि जनो का घर उजाड़ने नहीं दिया जायेगा आज जब जनपद में यही विन्ध्य पर्वत माला के पहाड़ व सोन नदी से इतनी दूरी होने के बावजूद हमारे आदिवासी परिवारि जनो को उजाड़ कर विकास क्यों वहाँ प्लांट क्यों नहीं लगाया जाता जहां किसी को विस्थापित नहीं करना पड़ेगा न कोई पेड़ काटना पडेगा सरकारे जन सहयोगी होती हैं लोगों को बसाने का काम करती हैं इस तरह का जन उत्पीड़न का रवैया हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। वही पेड़ हैं तो प्राण हैं अभियान के जिला संयोजक रामसुरत सिंह खरवार ने कहा की एक भी कम्पनी नहीं लगने दिया जायेगा चाहे जान चली जायेगी पर हम अपने जंगल को कटने नहीं देंगे। उन्होने कहा कि कोरोना में हमारे औषधीय पौधों के कारण एक मरीज इस पूरे एरिया में नहीं हुए ऐसे औषधीय जंगल को हम कटने नहीं देन्गे केवल कागजों पर ही स्वर्णिम काल है इतनी खराब व्यवस्था हमने नहीं देखा आज के कार्यक्रम में राजू पासवान जोगेन्द्र यादव राम बहाल खरवार विन्दू अगरिया गुलाब चेरो मुनिया खरवार प्रमिला खरवार सत्रुधन बिन्द आकाश चौहान दिनेश चेरो व सुरेस मौर्य व सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

24 साल बाद फुटबॉल वर्ल्डकप में अर्जेंटीना बनाम इंग्लैंड-दूसरा सेमीफाइनल अटलांटा में, मेसी इस टूर्नामेंट में 8 गोल कर चुके

अटलांटा। फुटबॉल वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना और इंग्लैंड 24 साल

बाद आमने-सामने होंगे। दोनों के बीच दूसरा सेमीफाइनल गुरुवार देर रात अटलांटा

स्टेडियम में भारतीय समय के हिसाब से 12:30 बजे से खेला

जाएगा। वर्ल्ड कप में दोनों की पिछली भिड़ंत 2002 में हुई थी, तब इंग्लैंड ने 1-0 से जीत दर्ज की थी।इस मुकाबले में सबकी नजरें लियोनेल मेसी और हैरी केन पर रहेंगी। मेसी इस वर्ल्ड

कप में 8 गोल कर गोल्डन बूट की रेस में दूसरे स्थान पर हैं। वहीं इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन अब तक 6 गोल कर चुके हैं। दोनों टीमों के बीच अब तक 14 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं। इनमें इंग्लैंड ने 6, जबकि अर्जेंटीना ने 3 मैच जीते हैं। 5 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। वर्ल्ड कप इतिहास में यह दोनों टीमों की छठी भिड़ंत होगी। इससे पहले खेले गए पांच मुकाबलों में इंग्लैंड ने 3 और अर्जेंटीना ने 2 मैच जीते हैं। अर्जेंटीना ने सभी मुकाबले जीतेः-अर्जेंटीना ने इस टूर्नामेंट में सभी 6 मुकाबले जीते हैं। ग्रुप स्टेज में टीम ने अल्जीरिया को 3-0, ऑस्ट्रिया को 2-0 और जॉर्डन को 3-1 से हराया। इसके बाद राउंड ऑफ 32 में काबो वर्डे को 3-2 से मात दी। फिर राउंड ऑफ 16 में मिस्र को 3-2 और क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया। अगर अर्जेंटीना जीता तो- इस मुकाबले में जीत के साथ ही अर्जेंटीना सातवीं बार फाइनल में पहुंच जाएगा। इससे पहले टीम ने 1978, 1986 और 2022 में खिताब जीता था। वहीं 1930, 1990 और 2014 में टीम रनर-अप रही थी। इंग्लैंड ने क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे को हराया थाः- इंग्लैंड ने इस वर्ल्ड कप में 6 मुकाबले खेले हैं। टीम ने 5 मैच जीते, जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा था। ग्रुप स्टेज में इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 4-2 और पनामा को 2-0 से हराया। घाना के खिलाफ मैच 0-0 से ड्रॉ रहा। इसके बाद राउंड ऑफ 32 में टीम ने कांगो डीआर को 2-1 और राउंड ऑफ 16 में मैक्सिको को 3-2 से हराया। फिर क्वार्टर फाइनल में अर्लिंग हालैंड की नॉर्वे को 2-1 से हराया। अगर इंग्लैंड जीता तो- अगर इंग्लैंड यह मुकाबला जीतता है, तो वह 60 साल बाद वर्ल्ड कप का फाइनल खेलेगा। इससे पहले टीम 1966 में फाइनल पहुंची थी। तब टीम ने इकलौती बार वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया था। दोनों टीमों की पॉसिबल स्टार्टिंग-11ः-इंग्लैंडः जॉर्डन पिकफोर्ड, काइल वॉकर, जॉन स्टोन्स, मार्क गुएही, कीरन ट्रिपियर, डेकलान राइस, कोबी मेनु, बुकायो साका, जूड बेलिंगहम, फिल फोडेन, हैरी केन। अर्जेंटीनाः एमी मार्टिनेज, नाहुएल मोलिना, क्रिस्टियन रोमेरो, निकोलस ओटामेंडी, निकोलस टैगलियाफिको, रोड्रिगो डी पॉल, एन्जो फर्नांडीज, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, लियोनेल मेसी, जूलियन अल्वारेज, निकोलस गोंजालेज।

बारिश में कपड़े जल्दी नहीं सूखते? अपनाएं ये 14 स्मार्ट तरीके, नमी और सीलन की महक भगाने के 5 घरेलू उपाय

भोपाल/नयी दिल्ली। बारिश के मौसम में बढ़ी हुई नमी और धूप की कमी के कारण कपड़े देर से सूखते हैं। उनमें स्मेल आने लगती है। साथ ही फंगस व बैक्टीरिया पनपने का रिस्क बढ़ जाता है। इस कारण स्किन एलर्जी, फंगल इन्फेक्शन और रैशेज हो सकते हैं। दरअसल, बारिश में हवा में ज्यादा नमी होने के कारण कपड़ों से पानी का वाष्पीकरण धीमा हो जाता है और कपड़े सुखाना एक चुनौती बन जाता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में बारिश में जल्दी कपड़े सुखाने के हैक्स पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- कौन-सी गलतियां कपड़ों में स्मेल बढ़ा देती हैं? किन स्मार्ट हैक्स को अपनाकर इस परेशानी से बचा जा सकता है? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट साधना व्यास, टेक्सटाइल एक्सपर्ट, भोपाल व डॉ. विजय सिंघल, सीनियर कंसल्टेंट, डर्मेटोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- बारिश में कपड़े देर से क्यों सूखते हैं? जवाब- इस दौरान हवा में नमी (ह्यूमिडिटी) ज्यादा होती है। ऐसे में कपड़ों में मौजूद पानी भाप बनकर जल्दी नहीं निकल पाता है। जब आसपास की हवा में पहले से ही नमी होती है, तो वह कपड़ों से निकलने वाली नमी को आसानी से सोख नहीं पाती। इससे कपड़े सूखने की रफ्तार धीमी हो जाती है। सवाल- बारिश में कौन-से फैब्रिक जल्दी और कौन-से देर से सूखते हैं? जवाब- यह इस बात पर निर्भर करता है कि फैब्रिक कितना पानी सोखता है और उसमें से नमी कितनी जल्दी बाहर निकलती है। जल्दी और देर से सूखने वाले फैब्रिकः- जल्दी सूखते हैं- पॉलिएस्टर, नायलॉन, ड्राई-फिट, रेयॉन (पतले), स्पोर्ट्स वियर। देर से सूखते हैंः-हैवी कॉटन, जीन्स (डेनिम), तौलिया, कॉटन बेडशीट, स्वेटशर्ट / हुडी। सवाल- क्या घर के अंदर कपड़े सुखाना सेफ है? जवाब- हां, अगर घर में अच्छा वेंटिलेशन हो तो सुखा सकते हैं। लेकिन बंद कमरे में गीले कपड़े सुखाने से हवा में नमी बढ़ जाती है। इससे- फंगस और बैक्टीरिया पनप सकते हैं। इस कारण कपड़ों में स्मेल आने के साथ सांस और स्किन से जुड़ी परेशानियों का रिस्क भी बढ़ सकता है। अगर घर के अंदर कपड़े सुखाते हैं तो खिड़कियां खुली रखें, पंखा चलाएं या एग्जॉस्ट/डीह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें, ताकि कमरे में नमी जमा न हो। सवाल- क्या कमरे में कपड़े सुखाने से घर की दीवारों पर नमी या सीलन आ सकती है?जवाब- हां, अगर कमरे में वेंटिलेशन ठीक न हो, तो ऐसा हो सकता है। गीले कपड़ों से निकलने वाली नमी दीवारों और छत पर जमने लगती है।लंबे समय तक ऐसा होने से दीवारों में सीलन, फफूंदी और स्मेल की समस्या हो सकती है। सवाल- कहां कपड़े सुखाना बेहतर है- खिड़की, बालकनी या बाथरूम? जवाब- कपड़े सुखाने के लिए सबसे बेहतर जगह बालकनी है क्योंकि- वहां खुली हवा और बेहतर वेंटिलेशन मिलता है। इससे कपड़े जल्दी और ठीक से सूखते हैं। खिड़की के पास भी कपड़े सुखाए जा सकते हैं, बशर्ते वहां अच्छी हवा और धूप आती हो। बाथरूम कपड़े सुखाने के लिए सबसे कम उपयुक्त है।वहां पहले से ही नमी ज्यादा होती है और वेंटिलेशन कम होता है। इससे कपड़े देर से सूखते हैं और उनमें स्मेल, फंगस का रिस्क बढ़ जाता है। कपड़े सुखाने के लिए कौन-सी जगह सबसे उपयुक्त है, बारिश में कपड़े सुखाने की बेस्ट जगहः-कहांः बालकनी कबः जब धूप हो। कहांः पंखा कहांः एसी ड्राय मोड, कहांः डीह्यूमिडिफायर कबः बारिश हो रही हो। कबः ज्यादा नमी हो। कबः लगातार बारिश हो कहांः खिड़की कबः अगर हवा आती हो। जल्दी कपडे सूखने के तरीके- बालकनी में- डिटर्जेंट कम डालें। धोकर तुरंत सुखाएं। अच्छी तरह निचोड़ें। रूम हैंगर पर सुखाएं। मोटे कपड़े अलग सुखाएं। कपड़ों को दूर-दूर सुखाएं। मशीन में स्पिन मोड 1000 रखें। घर में- कपड़ों के बीच दूरी रखें। कमरे का पंखा चलाएं। रूम में क्रॉस वेंटिलेशन रखें। डीह्यूमिडिफायर ऑन करें। एसी का ड्राय मोड ऑन करें। हल्का गीला आयरन से सुखाएं। हेयर ड्रायर से सुखाएं। सवाल- बारिश में मोटे कपड़े, जैसे जीन्स, तौलिया और बेडशीट कैसे सुखाएं? जवाब- इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें- धोने के बाद कपड़े अच्छी तरह निचोड़ें/एक्स्ट्रा स्पिन करें ताकि पानी कम-से-कम रह जाए। कपड़े को फैलाकर हवादार जगह पर टांगें। अगर बाहर जगह न हो, तो पंखे या एग्जॉस्ट फैन के नीचे सुखाएं और खिड़कियां खोलकर वेंटिलेशन बनाए रखें। मोटे कपड़ों को बीच-बीच में पलटते रहें, ताकि अंदर की नमी निकल सके। जरूरत पड़े तो हैंगर या रस्सी पर दूरी बनाकर टांगें, ताकि कपड़े एक-दूसरे से चिपके न रहें। हल्की धूप निकलते ही तुरंत बाहर डालें या आयरन/ड्रायर की मदद लें, ताकि कपड़ों में स्मेल और फंगस न पनपे। कपड़ों की स्मेल भगाने के टिप्सः- नमक वाले पानी में भिगोएं बदबू कम होती है। धोकर तुरंत सुखाएं। सीलन की स्मेल कम होती है। बदबू नहीं आती। सफेद सिरका मिलाएं। बैक्टीरिया,बदबू कम होती है। बेकिंग सोडा डालें-गंध न्यूट्रल होती है। बैक्टीरिया, नींबू का रस मिलाएं। कपड़ों में ताजगी आती है। अलमारी में 'सूखे कपड़े ही रखें। सिलिका जेल रखें। नीम की पत्तियां रखें। सवाल- बारिश में कपड़े सुखाते समय लोग कौन-सी गलतियां करते हैं? जवाब- सभी गलतियां नीचे पॉइंटर्स में देखें- गीले कपड़ों को अच्छी तरह निचोड़े बिना टांग देना। कपड़ों को आपस में सटाकर या ओवरलैप करके सुखाना। बंद कमरे में बिना हवा के कपड़े सुखाना। कपड़े पूरी तरह सूखने से पहले अलमारी में रख देना। गीले कपड़ों को वॉशिंग मशीन में घंटों छोड़ना। मोटे और पतले कपड़ों को एक साथ सुखाना। नमी वाली जगह पर कपड़े सुखाना। कपड़ों को कई दिनों तक एक ही जगह टंगा रहने देना। स्मेल आने पर भी कपड़ों को दोबारा धोने की बजाय पहन लेना। सवाल- मानसून में गीले या नमी वाले कपड़े पहनने से क्या नुकसान हो सकते हैं? जवाब- डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. विजय सिंघल बताते हैं कि बारिश में गीले या नमी वाले कपड़े पहनने से- स्किन पर फंगल इंफेक्शन (दाद, खुजली) का रिस्क बढ़ जाता है। शरीर से स्मेल आने लगती है। रैशेज, खुजली और स्किन में जलन हो सकती है। लंबे समय तक नमी रहने से सेंसिटिव स्किन में एलर्जी बढ़ सकती है। इंटिमेट एरिया में इन्फेक्शन का रिस्क बढ़ सकता है। पहले से मौजूद एक्जिमा या अन्य स्किन डिजीज के लक्षण बढ़ सकते हैं। बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों में संक्रमण का रिस्क बढ़ सकता है। आधे सूखे या नमी वाले कपड़े कभी न पहनें। इनमें फंगस और बैक्टीरिया पनप सकते हैं, जिससे स्किन प्रॉब्लम्स का रिस्क बढ़ता है। कपड़े में नमी हो तो पहले आयरन से उसे अच्छी तरह सुखाएं, फिर पहनें।सवाल- क्या हेयर ड्रायर से कपड़े सुखाना सेफ है? जवाब- हां, लेकिन सिर्फ इमरजेंसी में और वो भी हल्की नमी वाले कपड़े। सिंथेटिक या नाजुक फैब्रिक वाले कपड़े नहीं सुखाने चाहिए। सवाल- क्या आयरन करने से कपड़ों की नमी खत्म हो जाती है? जवाब- हल्की नमी कम हो सकती है, लेकिन पूरी तरह गीले कपड़ों को सिर्फ आयरन से सुखाना ठीक नहीं है। सवाल- कपड़े पूरी तरह सूखे हैं या नहीं, ये कैसे पहचानें? जवाब- जब कपड़े छूने पर ठंडे या नम महसूस न हों और उनमें सीलन या स्मेल न हो, तो समझें कि कपड़े अच्छी तरह सूख गए हैं। सवाल- क्या बारिश में फैब्रिक सॉफ्टनर यूज करना चाहिए? जवाब- सीमित मात्रा में कर सकते हैं, लेकिन ज्यादा इस्तेमाल से कुछ कपड़ों को सूखने में ज्यादा समय लग सकता है।सवाल- क्या रात भर कपड़े बाहर टंगे छोड़ देना ठीक है? जवाब- नहीं, रात की नमी से कपड़े फिर से गीले हो सकते हैं और उनमें सीलन की स्मेल आ सकती है। सवाल- मानसून में वॉशिंग मशीन का स्पिन मोड कितने पर रखें? जवाब- स्पिन मोड जितना हाई होता है, कपड़े उतनी जल्दी सूखते हैं। क्या ज्यादा डिटर्जेंट यूज करने से स्मेल बढ़ती है? जवाब- हां, ज्यादा डिटर्जेंट पूरी तरह धुल नहीं पाते और कपड़ों में रेजिड्यू (साबुन के अवशेष) छोड़ते हैं। यह अवशेष नमी के साथ मिलकर बैक्टीरिया और फंगस के पनपने के लिए अनुकूल माहौल बनाते हैं। इससे कपड़ों में सीलन जैसी स्मेल आने लगती है।

स्पेन 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल में,फ्रांस को 2-0 से हराया

ओयारजाबाल ने पेनल्टी पर गोल किया, पोरो ने बढ़त दोगुनी की

डलास। स्पेन 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गया है। टीम ने पहले सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराकर दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई। डलास स्टेडियम में मिकेल ओयारजाबाल ने 22वें मिनट में पेनल्टी पर पहला गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में पेड्रो पोरो ने गोल दागकर स्पेन की जीत पक्की कर दी। स्पेन 2010 के बाद फाइनल खेलेगा। तब टीम ने फाइनल में नीदरलैंड को 1-0 से हराकर अपना इकलौता वर्ल्ड कप जीता था। वहीं, फ्रांस 2018 और 2022 के बाद लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने से रह गया। यमाल पर फाउल, ओयारजाबाल ने पेनल्टी पर दिलाई बढ़तः-स्पेन को 22वें मिनट में पेनल्टी मिली। फ्रांस के डिफेंडर लुकास डिग्ने ने बॉक्स के अंदर लामिन यमाल पर फाउल कर दिया। इसके बाद रेफरी ने पेनल्टी दे दी। मिकेल ओयारजाबाल ने गेंद को गोलपोस्ट के दाएं कोने में भेज दिया। इसके साथ ही स्पेन ने 1-0 की बढ़त बना ली। यह ओयारजाबाल का टूर्नामेंट में पांचवां गोल रहा। पोरो ने दूसरा गोल कर फ्रांस की वापसी की उम्मीद खत्म कीः-दूसरे हाफ में फ्रांस बराबरी की कोशिश करता रहा, लेकिन 58वें मिनट में पेड्रो पोरो ने दानी ओल्मो के शानदार पास पर गोल कर स्पेन की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद स्पेन ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और फ्रांस को कोई बड़ा मौका नहीं दिया। एम्बाप्पे रहे बेअसर, लगातार तीसरा फाइनल खेलने से चूका फ्रांसः-पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहे किलियन एम्बाप्पे इस मुकाबले में स्पेन की मजबूत डिफेंस के सामने असर नहीं छोड़ सके। उन्हें कई बार ऑफसाइड मिला और दूसरे हाफ में येलो कार्ड भी मिला। फ्रांस 2018 और 2022 के बाद लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल खेलने का मौका गंवा बैठा। दोनों टीमों की स्टार्टिंग-11ः- फ्रांसः माइक मैग्नन, लुकास डिग्ने, दायोत उपामेकानो, जूल्स कौंडे, विलियम सलीबा, ऑरेलियन चुआमेनी, एड्रियन रैबियो, उस्मान डेम्बेले (कप्तान), किलियन एम्बापे, माइकल ओलीसे, ब्रैडली बारकोला। स्पेनः उनाई सिमोन, पेड्रो पोरो, अयमेरिक लापोर्टे, पाउ क्यूबार्सी, मार्क कुकुरेला, फैबियन रुइज, एलेक्स बेना, रोड्री (कप्तान), दानी ओल्मो, लामिन यमाल, मिकेल ओयारजाबाल।

बुमराह इंग्लैंड में सबसे अधिक वनडे विकेट लेने वाले भारतीय,धोनी मैच देखने पहुंचे, नन्हे फैन के साथ पॉपकॉर्न खाया-कैच के दौरान गिल-बरार टकराए

बर्मिंघम। भारत ने पहले वनडे में इंग्लैंड को 6 विकेट से हरा दिया। बर्मिंघम के एजबेस्टन

स्टेडियम में जसप्रीत बुमराह ने वनडे में अपने 150 विकेट पूरे किए। इसके साथ ही वह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए। मैच के दौरान कई दिलचस्प नजारे भी देखने को मिले। इंग्लैंड की पारी में जोस बटलर का कैच लेने की कोशिश में शुभमन गिल और गुरनूर बरार आपस में टकरा गए। वहीं, भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी मैच देखने पहुंचे। स्टैंड्स में उनका एक नन्हें फैन के साथ बैठकर पॉपकॉर्न खाते हुए वीडियो वायरल हो गया। इंडिया बनाम इंग्लैंड वनडे के टॉप मोमेंट्स-रिकॉर्ड्स- 1. बुमराह ने इंग्लैंड में 31 विकेट लिए-बुमराह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने बर्मिंघम में एक विकेट लिया। इसके साथ ही इंग्लैंड में उनके 31 विकेट हो गए हैं। उन्होंने रवींद्र जडेजा का रिकॉर्ड तोड़ा। जडेजा ने 30 विकेट लिए हैं। 2. बुमराह के वनडे में 150 विकेट पूरे- बुमराह वनडे में सबसे कम गेंद पर 150 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय बने। उन्होंने 4605 गेंदों में 150 विकेट पूरे किए। पहले स्थान पर मोहम्मद शमी है। उन्होंने 4070 गेंद में 150 विकेट लिए थे। कुलदीप यादव 4513 गेंद के साथ दूसरे स्थान पर हैं। 3. डॉसन ने 36 साल की उम्र में पहली फिफ्टी लगाई- डॉसन वनडे में पहली फिफ्टी लगाने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज इंग्लिश खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 36 साल 135 दिन की उम्र में 68 रन की पारी खेली। इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा उम्र में पहली फिफ्टी लगाने का रिकॉर्ड ज्योफ्री बॉयकॉट के नाम है। उन्होंने 38 साल 245 दिन की उम्र में ऐसा किया था। टॉप मोमेंट्सः-1. धोनी मैच देखने पहुंचे, नन्हें फैन के साथ पॉपकॉर्न खाया- धोनी मैच देखने बर्मिंघम पहुंचे। इस दौरान उनके पास बैठे एक छोटे बच्चे ने उन्हें पॉपकॉर्न ऑफर किया। धोनी ने मना नहीं किया और पॉपकॉर्न खाया। हालांकि फिर बच्चे को इशारा किया की मेरा पेट भरा है, आप खाओ। 2. कैच के दौरान गिल और बरार में टक्कर- 17वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर जोस बटलर कैच आउट हुए। ओवर की पहली गेंद पर बटलर ने लेग साइड में शॉट खेला, लेकिन गेंद ने बैट का टॉप एज लिया। कैच पकड़ने के लिए मिड-ऑफ से शुभमन गिल और मिड-ऑन से गुरनूर बरार दौड़े। इस दौरान दोनों की टक्कर हो गई। हालांकि बरार ने कैच पकड़ लिया और किसी को चोट भी नहीं लगी। 3. शिवम दुबे ने रूट का रिटर्न कैच छोड़ा- शिवम दुबे ने पारी के 20वें ओवर में अपनी ही गेंद पर कैच छोड़ दिया। ओवर की तीसरी गेंद पर रूट ड्राइव शॉट खेलने में जल्दबाजी कर गए। गेंद सीधे दुबे के पास गई। उन्होंने कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथ से लगकर नीचे गिर गई। तब रूट 7 रन बनाकर खेल रहे थे। इसके बाद उन्होंने 76 रन की पारी खेली। 4. बरार चोट की वजह मैदान से बाहर गए- गुरनूर बरार 47वें ओवर के बाद परेशानी में नजर आए। उन्हें 48वें ओवर में गेंदबाजी करनी थी। बरार गेंद हाथ में लेकर दौड़े, लेकिन तकलीफ के कारण रन-अप के बीच में ही रुक गए। उन्हें पैर के काफ में परेशानी थी। इसके बाद फिजियो मैदान पर आए। जांच के बाद बरार को मैदान से बाहर जाना पड़ा। उनकी जगह अक्षर पटेल ने यह ओवर डाला। 5. अक्षर ने 3 गेंद में 2 विकेट लेकर इंग्लैंड की पारी समेटी- अक्षर पटेल ने 48वें ओवर में ही इंग्लैंड को ऑलआउट कर दिया। उन्होंने 3 गेंद के अंदर आदिल राशिद और जोश टंग को आउट किया। अक्षर ने तीसरी गेंद पर आदिल राशिद को केएल राहुल के हाथों स्टंप आउट कराया। फिर पांचवीं गेंद पर जोश टंग को क्लीन बोल्ड कर दिया। इसके साथ ही इंग्लैंड 258 रन पर ऑलआउट हो गई। 6. शुभमन गिल 80 रन पर रिटायर्ड हर्ट हुए- पारी के 26वें ओवर में कप्तान शुभमन गिल को पैर में परेशानी के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा। दरअसल 23वें ओवर के बाद भी उन्हें पैरों में थोड़ दिक्कत हुई थी। तब फीजियो ने आकर उन्हें चेक किया। थोड़ी स्ट्रेचिंग के बाद उन्होंने बैटिंग जारी रखी। हालांकि 26वें ओवर में चौथी गेंद खेलने के बाद उन्हें फिर परेशानी हुई। इसके बाद उन्होंने पवेलियन लौटने का फैसला किया। 7. सुंदर ने छक्के से भारत को मैच जिताया- सुंदर ने 46वें ओवर की दूसरी गेंद पर छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई। इसके साथ ही उनकी फिफ्टी भी पूरी हुई। आदिल राशिद ने स्लॉट में गेंद डाली, जिसे सुंदर ने लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्का जड़ दिया।

एजीआई हम मनुष्यों का 'आखिरी आविष्कार' साबित नहीं होगी

1960 के दशक में गणितज्ञ आईजे गुड ने एक विचार सामने

रखा था, जो तब से सिलिकॉन वैली का सूत्रवाक्य बन गया है। उन्होंने कहा था कि यदि हम एक अल्ट्रा-इंटेलिजेंट मशीन बनाएं, तो वह और भी बेहतर मशीनें डिजाइन कर सकेगी। तब एक ऐसी बुद्धिमत्ता का विस्फोट होगा, जो मनुष्य की बुद्धि-क्षमताओं को बहुत पीछे छोड़ देगा। ऐसे में इस तरह की पहली मशीन मनुष्य का 'आखिरी आविष्कार' साबित होगी। यह भविष्यवाणी- जो कभी साइंस-फिक्शन की बात थी- आज दुनिया की शक्तिशाली संस्थाओं का मकसद बन गई है। लेकिन अगर हम यह मान भी लें कि भविष्य की प्रणालियां आज के मॉडलों से कहीं आगे बढ़ते हुए नए समाधान जनरेट कर सकती हैं, फिर भी 'अंतिम-आविष्कार' वाला सिद्धांत सवालों के दायरे में रहेगा। हमें याद रखना चाहिए कि इनोवेशन किसी आइडिया से लेकर उसके इम्पैक्ट तक बिना किसी रुकावट वाली एक शृंखला की तरह है, जिसमें कोई सबसे कमजोर कड़ी भी हो सकती है। ये कमजोर कड़ियां ही मानव-प्रगति का अधिकांश हिस्सा निर्धारित करती हैं। 1986 में, स्पेस शटल चैलेंजर अपने प्रक्षेपण के 73 सेकंड बाद ही धराशायी हो गया था। इसलिए नहीं कि उसके विश्व स्तरीय इंजनों या सॉफ्टवेयर में कोई खराबी आ गई थी, बल्कि इसलिए क्योंकि एक छोटा-सा रबर सील ठंडे वायुमंडलीय तापमान के संपर्क में आने पर फेल हो गया था। उसे ओ-रिंग कहकर पुकारा गया। वह उन महत्वपूर्ण अड़चनों का एक रूपक बन गया है, जो सबसे परिष्कृत प्रणालियों को भी नाकाम बना सकती हैं। कृत्रिम सामान्य बुद्धिमत्ता (एजीआई) भले ही आरंभिक चरणों ?वाली किसी मेडिकल रिसर्च में नाटकीय रूप से तेजी ला सकती हो, लेकिन अगर वह क्लिनिकल ट्रायल्स को रेगुलेटरी अनु?मतियां प्राप्त नहीं कर सकती, तो उसका तथाकथित ब्रेक-थ्रू कभी ऐसा आविष्कार नहीं बन पाएगा, जो हमारे जीवन को बेहतर बनाता है। जब खोज के शुरुआती चरण ऑटोमैटेड हो जाते हैं, तब भी मनुष्य की भूमिका समाप्त नहीं हो जाती; वह बस शेष बाधाओं की ओर स्थानांतरित हो जाती है। और ये वैसी चुनौतियां होती हैं, जिनमें निर्णय, अंतर्निहित ज्ञान और व्यावहारिक कौशल ही सर्वाधिक मायने रखते हैं। एजीआई को न केवल मनुष्यों से बेहतर प्रदर्शन करना होगा; बल्कि उसे एजीआई का उपयोग करके ऐसा करना होगा। अगर 'अंतिम-आविष्कार' वाले सिद्धांत को सच साबित होना है, तो हम मनुष्यों को एआई के साथी या सुपरवाइजर के रूप में भी गैर-जरूरी साबित हो जाना होगा। यह अभी बहुत दूर की कौड़ी है। 2016 में गूगल डीपमाइंड के अल्फागो द्वारा शीर्ष पेशेवर खिलाड़ी ली सेडोल को 4-1 से हराने के बाद उसकी श्रेष्ठता तय हो गई लग रही थी। लेकिन 2023 में शोधकर्ताओं ने दिखाया कि शीर्ष इंजनों को उनके प्रशिक्षण से बाहर असामान्य स्थितियों में ले जाया जाए तो मामूली कंप्यूटिंग कौशल वाला एक मनुष्य भी उन्हें हरा सकता है। मनुष्यों द्वारा दिए जाने वाले इनपुट्स आज भी सबसे ज्यादा वैल्यू-एड करने वाले होते हैं। 'अंतिम-आविष्कार' वाला सिद्धांत यह भी मानता है कि तमाम प्रासंगिक सूचनाओं को कोडिफाई किया जा सकता है, लेकिन ऐसा आमतौर पर नहीं होता। जटिल प्रणालियों को चलाने वाली सूचनाएं अकसर बिखरी हुई, स्थानीय और अनकही होती हैं। नॉलेज कोई पोर्टेबल चीज नहीं है। ऐसे में एजीआई को मनुष्यता का अंतिम आविष्कार करार देना एक अतिरंजित दावा है। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,कार्ल बेनेडिक्ट फ्रे)

हम केवल आमदनी के लिए ही कोई काम नहीं करते हैं

कर्ट वोनेगट ने अपने उपन्यास 'प्लेयर पियानो' (1952) में एक ऐसी दुनिया की कल्पना की थी, जहां मशीनों ने अधिकांश उद्योगों को ऑटोमैट कर दिया है और केवल कुछ इंजीनियर तथा मैनेजर ही व्यवस्था की निगरानी के लिए बचे हैं। बाकी सभी लोगों के भोजन और आवास की व्यवस्था सरकार करती है, लेकिन उनके पास करने के लिए कोई काम नहीं है। क्या वोनेगट की यह कल्पना दूरदर्शी सिद्ध हुई है? यह कहना तो अभी संभव नहीं है कि एआई हमारी वर्कफोर्स के एक बड़े हिस्से को अनावश्यक बना देगा। लेकिन इतना हम जरूर जानते हैं कि एआई मनुष्य-जीवन के मायनों के सामने गम्भीर चुनौतियां प्रस्तुत करने लगा है। यदि हमारे अधिकांश काम ऑटोमैट हो जाते हैं, तो औसतन हम अधिक समृद्ध होंगे। इससे संतोष का स्तर बढ़ना चाहिए। अलबत्ता शोध बताते हैं कि जब आपकी आय दोगुनी हो जाती है तो जीवन का मूल्यांकन करने के आपके पैमाने भी उतनी ही मात्रा में कठोर हो जाते हैं। लेकिन जीवन के कोई मायने होना एक अलग विषय है। हम जो काम करते हैं, उससे हमें केवल आमदनी ही नहीं मिलती, वह हमारी पहचान का भी एक हिस्सा होता है। दूसरी तरफ, अगर हमारे पास करने को कुछ न हो तो यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, फिर भले ही हमें पूरी आमदनी मिल रही हो। वेतन के साथ-साथ काम व्यक्ति को जीवन में अनुशासन, लगाव की भावना, सामाजिक प्रतिष्ठा और किसी उद्देश्य में योगदान देने का एहसास भी देता है। इन गुणों का री-डिस्ट्रीब्यूशन पैसों की तरह नहीं किया जा सकता।

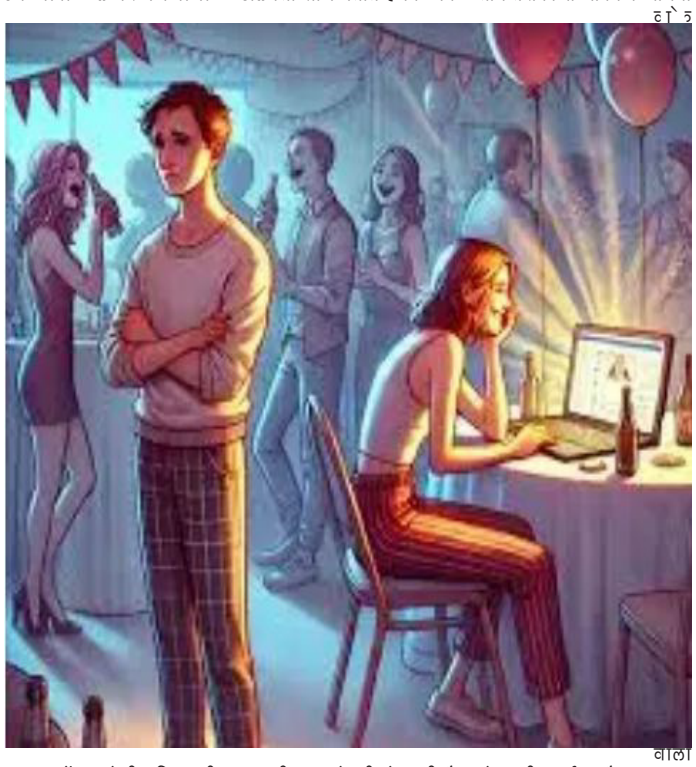

वाली वास्तव में, एआई कम से कम तीन तरीकों से जीवन के मायनों होना ही पर्याप्त है। जब हम किसी असाधारण चीज से पीछे रह जाते हैं तो वो अलग बात है; लेकिन किसी ऐसी चीज द्वारा अप्रासंगिक बना दिया जाना- जो केवल 'गुड-इनफ' हो- बिल्कुल दूसरी बात है। इसके अलावा, एआई-संचालित मनोरंजन और 'कम्पैनियनशिप' (एआई को दोस्त समझकर उसी के साथ समय बिताते रहना) लोगों के समय और सामाजिक जुड़ाव की जरूरत के बड़े हिस्से को अपने कब्जे में ले सकते हैं। वे उन अधिक चुनौतीपूर्ण गतिविधियों का स्थान भी ले सकते हैं, जिनसे जीवन में मायनों का निर्माण होता है। सहज और निर्बाध निकटता का अनुभव उपलब्ध कराकर एआई उन प्रयासों, कर्तव्यों, पारस्परिकता, निःस्वार्थता और असुविधाओं को पीछे धकेल सकता है, जिनकी वास्तविक संबंधों को आवश्यकता होती है। एआई के साथ संबंध हमसे बदले में कुछ भी नहीं मांगता। वास्तव में वह संबंध के रूप में प्रस्तुत किया गया उपभोग मात्र है। डिजिटल-जीवन पहले ही मानवीय संबंधों को बदल चुका है। युवाओं में सोशल मीडिया का बढ़ता उपयोग जीवन में संतुष्टि की भावना के घटते चले जाने से जुड़ा पाया गया है। इसमें अभी तक एआई की भूमिका नहीं है, लेकिन इससे इतना तो पता चलता ही है कि डिजिटल माध्यमों से अधिक संपर्क मानवीय संबंधों में अधिक गहराई नहीं लाता। सच तो यह है कि जीवन में मायनों की तलाश शायद ही कभी कम्फर्ट की स्थिति से होती है। वह किसी चुने हुए उद्देश्य की प्राप्ति के लिए किए गए प्रयासों से ही होती है, चाहे वह अपने बच्चे का पालन-पोषण हो या किसी स्किल में महारत हासिल करना। जीवन में पीछे मुड़कर देखने पर लोग किसी सार्थक लक्ष्य के लिए किए गए संघर्ष को ही अधिक मूल्यवान मानते हैं। संभवतः यही कारण है कि अधिक समृद्ध और विकसित समाज अधिक सुविधा तो अनुभव करते हैं, लेकिन जीवन के उद्देश्यों का अधिक गहरा बोध उन्हें नहीं हो पाता। यह भी याद रखें कि अगर एआई मानवीय क्षमताओं से आगे निकल जाए, तब भी हर प्रकार का काम समाप्त नहीं होगा। कंप्यूटरों के शतरंज में मनुष्यों से बेहतर हो जाने के बाद भी लोगों ने शतरंज खेलना बंद नहीं किया है। लोग आज भी दौड़ते हैं, भोजन पकाते हैं, संगीत रचते हैं, फर्नीचर बनाते हैं और लाइव-परफॉर्मेंस को महंगे टिकट खरीदकर देखते हैं। जीवन में मायनों की तलाश शायद ही कभी कम्फर्ट की स्थिति से होती है। वह किसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए किए गए प्रयासों से ही होती है, चाहे वह बच्चे की परवरिश हो या किसी स्किल में महारत हासिल करना। लोग किसी लक्ष्य के लिए किए गए संघर्ष को ही मूल्यवान मानते हैं। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,कार्ल बेनेडिक्ट फ्रे)

टूरिज्म डॉलर भी दे सकता है और जॉब्स भी

विदेशी मुद्रा पाने और नौकरियां क्रिएट करने के सबसे तेज तरीकों में पर्यटन भी है, जबकि उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता। एक ऐसे समय में, जब वैश्विक अनिश्चितता, ऊर्जा कीमतों में अस्थिरता, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और भू-राजनीतिक झटके चालू खाते पर दबाव डाल रहे हैं, टूरिज्म हमारी अर्थव्यवस्था के लिए स्टैबलाइजर का काम कर सकता है। विदेशी पर्यटक सीधे हमारी अर्थव्यवस्था में डॉलर लेकर आते हैं। वे प्रतीत होती है, किंतु यदि इसके साथ ही इन विमानों को विदेशी पर्यटकों से भरने के प्रयास नहीं किए गए, तो उलटा परिणाम भी मिल सकता है : भारतीयों के लिए विदेश यात्रा अधिक आसान और सस्ती हो जाएगी, जिससे कहीं अधिक मात्रा में बहुमूल्य विदेशी मुद्रा देश से बाहर जाएगी। पिछले चार वर्षों में भारत के विदेशी पर्यटन मार्केटिंग बजट को लगभग शून्य तक घटा दिया गया है। परिणाम भी अपेक्षित हैं। वर्ष 2024 में भारत में 99

लाख अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आए- जो महामारी-पूर्व के सर्वोच्च स्तर से लगभग 10फीसदी कम हैं। जहां भारत के सभी प्रमुख प्रतिस्पर्धी देश 2019 के स्तर को पार कर चुके हैं, हम अब भी उस स्थिति से बाहर निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं। इसलिए हमारे विदेशी पर्यटन मार्केटिंग बजट में की गई तीव्र कटौती आश्चर्यजनक है। एक विदेशी पर्यटक अपनी प्रत्येक यात्रा पर भारत के जीडीपी में 3,000 डॉलर का योगदान देता है, जबकि एक घरेलू पर्यटक का योगदान केवल 75 डॉलर होता है- यानी 40 गुना का अंतर। मार्केटिंग पर 20 करोड़ डॉलर का निवेश 10 लाख अतिरिक्त विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करेगा, जिससे 3.6 अरब डॉलर का आर्थिक मूल्य सृजित होगा, 40 करोड़ डॉलर की जीएसटी प्राप्ति होगी और 2.83 लाख नए रोजगार उत्पन्न होंगे। यानी मार्केटिंग पर खर्च किए गए प्रत्येक डॉलर पर 18 गुना रिटर्न प्राप्त होगा। केवल 55,000 अतिरिक्त पर्यटक- जो भारत के वर्तमान टूरिस्ट-बेस का मात्र 0.5फीसदी हैं- पूरे मार्केटिंग खर्च की भरपाई कर देंगे। ये कोई अनुमान नहीं हैं। ये वही परिणाम हैं, जिन्हें इन्क्रेडिबल इंडिया अभियान ने प्रत्यक्ष रूप से सिद्ध करके दिखाया था। वैश्विक पर्यटन में डिजिटल टेक्नोलॉजी बड़े बदलाव ला रही है। और यही वह क्षेत्र है, जिसमें भारत की अनुपस्थिति हमारे लिए महंगी साबित हो रही है। आज पर्यटन से संबंधित कुल बिक्री का 78फीसदी ऑनलाइन होता है, 70फीसदी बुकिंग मोबाइल उपकरणों पर पूरी की जाती हैं और 45फीसदी लेन-देन ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियों के माध्यम से होता है। प्रतिस्पर्धा का मैदान अब यूट्यूब प्री-रोल्स, सोशल मीडिया एल्गोरिदम, प्रोग्रामेटिक डिस्प्ले और इन्फ्लुएंसर नेटवर्कों पर स्थानांतरित हो चुका है। ये ऐसे चैनल्स हैं, जहां व्यय को मापा जा सकता है, टारगेटिंग सटीक होती है और रिटर्न ऑन इनवेस्टमेंट का लगभग रियल-टाइम में आंकलन किया जा सकता है। भारत के पास बुनियादी ढांचा तो है, किंतु वह उसका लाभ उठाने में विफल रहा है। इन्क्रेडिबल इंडिया के फेसबुक पर 19 लाख और इंस्टाग्राम पर 7.85 लाख ही फॉलोअर्स हैं। इतने ही फॉलोअर्स वाले सऊदी अरब ने जहां एक ही महीने में 2.7 करोड़ कंटेंट व्यू अर्जित किए, वहीं भारत केवल 3.88 लाख व्यू तक सीमित रहा। मंच मौजूद है, किंतु भारत लगभग एक दशक से वैश्विक मार्केटिंग परिदृश्य से पूरी तरह अनुपस्थित है। इसकी भारी कीमत हमारे पर्यटन क्षेत्र को चुकानी पड़ रही है। केवल मार्केटिंग भी काफी नहीं होगी। हमें मिशन मोड में पर्यटन क्षेत्र को डी-रेगुलेट भी करना होगा। होटल, रेस्तरां, होमस्टे, परिवहन संचालक और पर्यटन सेवा प्रदाता अनेक लाइसेंसों, प्रक्रियाओं और निरीक्षणों के बोझ तले काम करते हैं। जो परियोजनाएं दूसरे एशियाई देशों में 18 महीनों में पूरी हो जाती हैं, उन्हें भारत में कहीं अधिक समय लगता है। एकीकृत लाइसेंस व्यवस्था, डिजिटलीकरण और स्वचालित नवीनीकरण को लागू किया जाना चाहिए। हमारे प्रत्येक राज्य को पर्यटन का अग्रदूत बनना होगा। प्रत्येक राज्य को 15 प्रमुख पर्यटन स्थलों की पहचान कर उन्हें ऐसे समग्र पर्यटन इको-सिस्टम में विकसित करना चाहिए, जिनमें पहुंच, आवास, अनुभव, आयोजन, सुरक्षा, स्वच्छता, स्थानीय उद्यम और मार्केटिंग- सभी का समावेश हो। कोई डेस्टिनेशन केवल इसलिए तैयार नहीं माना जा सकता कि वहां सड़कें, होटल या संकेतक उपलब्ध हैं। वह तभी नजरों में आता है, जब कोई यात्री उसकी विशिष्टता को खोज सके, उसकी विश्वसनीयता का आकलन कर सके, बुक किए जा सकने वाले अनुभवों की पहचान कर सके, आसानी से लेन-देन कर सके और इस बात पर भरोसा कर सके कि उसे अपेक्षानुरूप अनुभव प्राप्त होगा। पर्यटन क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता अब इस पर भी निर्भर करेगी कि कोई डेस्टिनेशन कंटेंट-क्रिएटर्स के अनुकूल है या नहीं, उसे आसानी से ऑनलाइन खोजा जा सकता है या नहीं, वह लेन-देन के लिए तैयार है या नहीं और उस पर भरोसा किया जा सकता है या नहीं।

हमें कंटेंट-क्रिएशन अर्थव्यवस्था को भी पर्यटन की एक रणनीति के रूप में अपनाना होगा। सरकारी अभियान जागरूकता उत्पन्न कर सकते हैं, किंतु विश्वास का निर्माण कंटेंट-क्रिएटर्स करते हैं। एक उत्कृष्ट वीडियो वह प्रभाव उत्पन्न कर सकता है, जो कोई ब्रोशर नहीं कर सकता। 2.83 लाख नए रोजगार... एक विदेशी पर्यटक अपनी प्रत्येक यात्रा पर जीडीपी में 3,000 डॉलर का योगदान देता है। मार्केटिंग पर 20 करोड़ डॉलर का निवेश 10 लाख अतिरिक्त विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करेगा, जिससे 3.6 अरब डॉलर का मूल्य सृजित होगा, 40 करोड़ डॉलर की जीएसटी प्राप्ति होगी और 2.83 लाख नए रोजगार उत्पन्न होंगे। (ये लेखक के अपने विचार हैं,अमिताभ कांत)

हॉस्पिटैलिटी, परिवहन, पर्यटन स्थलों, स्मृति-चिह्नों, सांस्कृतिक अनुभवों और स्थानीय व्यंजनों पर पैसा खर्च करते हैं। इनमें से प्रत्येक क्षेत्र अपने आप में रोजगार सृजन का एक शक्तिशाली स्रोत हैं। पर्यटन में जुड़ा हर प्रत्यक्ष रोजगार 13 अप्रत्यक्ष रोजगारों को भी जन्म देता है। वेटर, शेफ, ड्राइवर, गाइड, शिल्पकार, होमस्टे संचालक, डिजिटल मार्केटर और हजारों-छोटे स्थानीय उद्यम इसके कुछ उदाहरण मात्र हैं। जहां मैन्युफैक्चरिंग-आधारित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश- जिसे दीर्घकालिक समाधान के रूप में प्राथमिकता दी जाती है- साकार होने में वर्षों लेता है और सार्थक स्तर पर विदेशी मुद्रा उत्पन्न करने में उससे भी अधिक समय लगाता है, वहीं पर्यटन किसी पर्यटक के निर्णयों को कुछ ही महीनों में डॉलरों में परिवर्तित कर देता है। भारत की एविएशन कंपनियों ने 2000 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर दिया है, जिनकी आपूर्ति आने वाले वर्षों में तेजी से बढ़ेगी। ऊपरी तौर पर तो यह एविएशन क्षेत्र की महत्वाकांक्षा की कहानी

क्या भारतीय पैरेंटिंग किसी भी पश्चिमी शैली से अधिक बेहतर हो सकती है?

अमेरिका में 4 से 8 साल की उम्र के बच्चों पर साल भर तक हमारे पैरेंट्स अलग-अलग क्षेत्रों और परंपराओं की ऐसी कहानियां

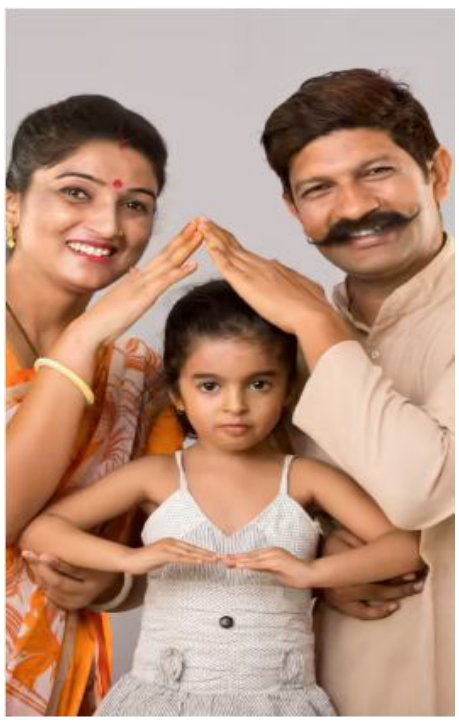

चले एक लंबे अध्ययन में पाया गया कि जब श्वेत बच्चे टीवी प्रोग्राम्स में अलग-अलग नस्लों के लोगों को साथ देखते हैं तो इससे उनके मन में किसी के प्रति भेदभाव विकसित नहीं होता। इस सोमवार को जर्नल ऑफ अमेरिकन साइकोलॉजिस्ट्स में प्रकाशित एक न्यूज रिपोर्ट बताती है कि जिन टीवी प्रोग्राम्स में क्लासिज्म दिखता है, यानी मुख्य किरदार शाही घरानों से होते हैं और सहायक किरदारों को उनसे कम अमीर या कम समझदार दिखाया जाता है तो इससे बच्चों में भेदभाव विकसित हो सकता है। इस खबर ने मुझे बचपन याद दिला दिया, जब सुनाते थे। इन कहानियों में वही कालजयी सीख होती थीं, जो आज आधुनिक रिसर्च में भी बताई जाती हैं। भेदभाव मिटाने वाली कुछ कहानियां यहां पेश हैं। बड़े होकर श्रीकृष्ण द्वारका के राजा बने, जबकि सांदीपनि ऋषि के आश्रम में उनके साथ ही पढ़ने वाले सुदामा गरीबी में जीवन बिताते थे। एक दिन बहुत संकोच के साथ सुदामा कृष्ण से मिलने पहुंचे और उनके पास केवल चिवड़े की पोटली थी। कृष्ण ने बड़े प्रेम से उनका स्वागत किया, गले लगाया और उन्हें अति-सम्मानित अतिथि का दर्जा दिया। सुदामा को शर्मिंदा किए बिना कृष्ण ने चुपचाप मित्र का जीवन बदल दिया। हमने सीखा : मित्रता सम्पत्ति से बड़ी होती है। वृद्ध आदिवासी महिला शबरी वर्षों तक भगवान राम की प्रतीक्षा करती रहीं। राम के आने की उम्मीद में वह रोज जंगल में रास्ता साफ करती थीं। जब राम आए तो उन्होंने प्रेम से हर बेर को पहले चखकर देखा, ताकि सबसे मीठे फल ही उन्हें दे सकें। राम ने उन्हें खुशी-खुशी स्वीकार किया, क्योंकि उनके लिए वो प्रेम किसी भी शाही भोजन से अधिक मूल्यवान था। हमने सीखा : प्रेम की कोई मर्यादा नहीं होती। याद करिए, हस्तिनापुर में दुर्योधन के भव्य भोज के निमंत्रण के बावजूद कृष्ण विदुर के साधारण घर में गए। वहां विदुर की पत्नी इतनी भावविह्वल हुईं कि उन्होंने फलों की जगह केले के छिलके ही परोस दिए। कृष्ण मार्गदर्शन लेते थे, क्योंकि वे संत के चरित्र का सम्मान करते थे, पेशे का नहीं। हमने सीखा : हर पेशा सम्मान के योग्य है।

गुजरात के प्रिय संत-कवि नरसी मेहता ने भगवान और मानवता के प्रति समर्पित एक सरल जीवन जिया। उनका प्रसिद्ध भजन 'वैष्णव जन तो' सिखाता है कि श्रेष्ठ वही है, जो दूसरे का दुःख समझे और बिना किसी प्रशंसा या पुरस्कार की अपेक्षा किए उसकी मदद करे। उनके जीवन ने पीढ़ियों को हर इंसान के प्रति करुणा रखना सिखाया। हमने सीखा : दूसरे का दर्द महसूस करिए। भगवान विट्ठल के समर्पित भक्त होने के बावजूद संत चोखामेला को भेदभाव झेलना पड़ा

मुस्कुराए और उन्हें भी स्वीकार किया, क्योंकि वे सच्चे प्रेम से परोसे गए थे। हमने सीखा : प्रेम से भरा घर महल से अधिक समृद्ध होता है। सत्यकाम ऋषि गौतम के गुरुकुल में पढ़ना चाहते थे। जब सत्यकाम से उनके परिवार के बारे में पूछा गया तो उन्होंने ईमानदारी से कहा कि उनकी मां को नहीं पता कि उनके पिता कौन थे। उनकी सत्यवादिता से प्रभावित ऋषि ने कहा कि इतनी ईमानदारी भरे शब्द कोई श्रेष्ठ व्यक्ति ही बोल सकता है और उन्हें अपना शिष्य बना लिया। हमने सीखा : ईमानदारी ही आपकी सबसे बड़ी पहचान है। संत रविदास जूते बनाकर आजीविका चलाते थे, जिसे कई लोग छोटा काम मानते थे। लेकिन उनकी बुद्धिमत्ता, विनम्रता और भक्ति ने उन्हें भारत के महान संतों में से एक बनाया। राजा, रानी और विद्वान उनसे और सामाजिक परंपराओं के कारण उन्हें अकसर मंदिर में प्रवेश नहीं दिया जाता था। फिर भी उन्होंने आस्था नहीं छोड़ी। उनके भक्ति गीत इतने प्रभावशाली बने कि आज भी पंढरपुर वारी के लाखों श्रद्धालु उन्हें गाते हैं। हमने सीखा : भक्ति की कोई जाति नहीं होती। राजा रंतिदेव की कहानी बताती है कि कई दिनों भूखे रहने के बाद भी उन्होंने अपना भोजन दूसरों को दिया। उनका मानना था कि जरूरतमंदों की सेवा ही सबसे बड़ी पूजा है। हमने सीखा : आपके पास थोड़ा हो, तब भी बांटिए और दया का कोई दर्जा नहीं होता। फंडा यह है कि यदि हम बच्चों को सोने से पहले यह कहानियां वापस सुनाने लगें तो शर्तिया ही हम हमेशा दुनिया के सबसे अच्छे पैरेंट्स बने रहेंगे। एन. रघुरामन

पुरी रथयात्रा आज से 6 महीने पहले से होटल बुकिंग शुरू, रु1500 का कमरा रु50 हजार में

पुरी। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा 16 जुलाई, गुरुवार यानि आज से शुरू। यह भव्य उत्सव 24 जुलाई तक चलेगा, जिसमें 10 लाख से

अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। रथयात्रा को लेकर पुरी के होटल और लॉज पूरी तरह फुल हो चुके हैं। जिला प्रशासन के मुताबिक, इस साल फरवरी से ही बुकिंग शुरू हो गई थी। मंदिर और रथयात्रा मार्ग के आसपास के होटल-लॉज की सबसे ज्यादा मांग है। खासकर जिन होटलों की बालकनी या खिड़की रथयात्रा मार्ग की ओर खुलती है, उनके लिए सबसे ज्यादा मारामारी है। पिछले साल के मुकाबले होटल और लॉज का किराया 10 गुना तक बढ़ गया है। जिन लॉज का सामान्य किराया 1500 से 2000 रुपए होता है, उनका किराया रथयात्रा के दौरान तीन दिन के लिए 50 हजार रुपए तक पहुंच गया है। पूरे शहर में करीब 1200 होटल हैं। हावड़ा में प्रोफेसर की गोद बनती है भगवान जगन्नाथ का रथः-धर्म और आस्था की सीमाओं से परे पश्चिम बंगाल के हावड़ा में हर साल एक अनोखी रथयात्रा निकाली जाती है। यहां न तो रस्सी से रथ खींचा जाता है और न ही विशाल रथ सजाया जाता है। इसके बजाय कोलकाता के सेंट पॉल कैथेड्रल मिशन कॉलेज के बांग्ला विभाग के प्रोफेसर डॉ. शेख मकबूल इस्लाम भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन के विग्रह को अपनी गोद में लेकर करीब 400 मीटर की परिक्रमा करते हैं। इस यात्रा में हिंदू, मुस्लिम और ईसाई तीनों समुदायों के लोग शामिल होते हैं। डॉ. इस्लाम 1992 से भगवान जगन्नाथ पर शोध कर रहे हैं और इस विषय पर 14 से अधिक किताबें लिख चुके हैं। 1996 से उनके घर में भगवान जगन्नाथ का विग्रह स्थापित है, जबकि 2009 से वे हर साल रथपूजा के अवसर पर इस अनूठी परिक्रमा का आयोजन कर रहे हैं। डॉ. शेख बोले- शरीर ही रथ है, तो अलग रथ क्यों? डॉ. शेख मकबूल इस्लाम इस परंपरा का आधार कठोपनिषद् के प्रसिद्ध श्लोक 'आत्मानं रथिनं विद्धि, शरीरं रथमेव तुष्ठ' को मानते हैं। उनके मुताबिक, इस श्लोक में शरीर को रथ, बुद्धि को सारथी और आत्मा को रथ का स्वामी बताया गया है। इसलिए जब शरीर ही रथ है, तो अलग रथ की जरूरत नहीं। वे पूरी तरह शाकाहारी हैं और भगवान जगन्नाथ के लिए अपने घर में पुरी की परंपरा के अनुसार 35 प्रकार का सात्विक भोग बनाकर विधि-विधान से अर्पित करते हैं।

युवक बोला- धीरेंद्र शास्त्री के भाई ने पीटा, वीडियो में भागता दिखा शालिगराम, बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर ने कहा- मेरा उससे संबंध नहीं

छतरपुर। छतरपुर में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई

शालिगराम गर्ग पर एक युवक को गोली मारने का आरोप लगा है। गोली युवक के सीने में लगी और पसलियों में जा फंसी। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर गोली निकाली। युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है।घायल मोतीलाल कुशवाहा राजनगर थाना इलाके के कोड़ा गांव का रहने वाला है। उसने पुलिस को बताया- शालिगराम गर्ग मेरी जमीन छीनना चाहते हैं। वे सतीश सिंह घोष, तुलसी मिश्रा, आशीष और दूसरे साथियों के साथ आज सुबह मेरे घर पहुंचे। मुझे घर से बाहर खींच लाए। सभी ने लाठी-डंडों से हमला किया। इसके बाद शालिगराम ने तीन-चार राउंड फायर किया। एक गोली मेरे सीने में लगी। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें शालिगराम और उसके साथी भागते दिख रहे हैं। घायल युवक के परिजन उनका पीछा कर रहे हैं। एक शख्स गाली देते हुए कह रहा है- मारष्ठकितनी गोली मारेगा। वीडियो के एक फ्रेम में शालिगराम के हाथ में हथियार दिख रहा है। फिलहाल, पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धीरेंद्र शास्त्री बोले- दोषी को कानून कठोर दंड दे-मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने बताया कि शालिगराम गर्ग से उनका कोई संबंध नहीं है और यह बात वे तीन साल पहले भी सार्वजनिक रूप से स्पष्ट कर चुके हैं। उन्होंने अपील भी की है कि घटना से उनका नाम नहीं जोड़ा जाए क्योंकि उन्हें इस मामले की पूरी जानकारी नहीं है। दोनों पक्षों ने की थाने में शिकायत-उधर, शालिगराम के साथी सतीश सिंह घोष और तुलसी मिश्रा ने वीडियो जारी कर आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने कहा- मोतीलाल कुशवाहा और उसके साथियों ने हम पर हमला किया। रास्ता रोककर मारपीट की। गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। बयान दर्ज, सबूत जुटा रही पुलिस-छतरपुर एसपी रजत सकलेचा ने बताया- दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर जांच कर रहे हैं। बयान दर्ज कर साक्ष्य जुटाए हैं। खजुराहो एसडीओपी मनमोहन सिंह बघेल को मौके पर भेजा गया है। मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी। वहीं, ओबीसी महासभा से जुड़े दामोदर यादव, आरडी प्रजापति, कुशवाहा समाज के जिला अध्यक्ष शंभू कुशवाहा सहित अन्य नेताओं ने शालिगराम गर्ग के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पहले भी विवादों में घिरा रहा शालिगराम-फरवरी 2023: गढ़ा गांव में एक दलित परिवार की शादी के दौरान पिस्टल लहराने, धमकी देने और मारपीट का आरोप लगा। मामले में एससी/एसटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई। बाद में जमानत मिल गई। अप्रैल 2024: सागर जिले के मुगवारी टोल प्लाजा पर टोलकर्मियों से मारपीट और हंगामे का मामला सामने आया। इस घटना में शालिगराम गर्ग और उसके साथियों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया। दिसंबर 2024: एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें शालिगराम गर्ग ने पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से अपने संबंध खत्म करने की बात कही। बाद में स्पष्ट किया कि उसके व्यक्तिगत मामलों का बागेश्वर धाम या धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से कोई संबंध नहीं है।

भारत-यूके के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हुआ लागू, व्हिस्की, कारें और कपड़े सस्ते मिलेंगे-समझें किन चीजों के दाम बदलेंगे

नई दिल्ली। 85फीसदी सामान 10 साल में पूरी तरह टैरिफ-मुक्त होंगे। इससे कई चीजें सस्ती होंगीः-व्हिस्की और जिनः यूके से आयात होने वाली

स्कॉच व्हिस्की और जिन पर भारत का टैरिफ 150फीसदी से घटकर 75फीसदी हो जाएगा। बाद में समझौते के दसवें साल तक इसे घटाकर 40फीसदी कर दिया जाएगा। उदाहरण- 5000 रुपए की स्कॉच बॉटल 3500 रुपए में मिलेगी। लग्जरी कारें: यूके की कारों (जैसे जगुआर लैंड रोवर, रोल्स रॉयस) पर टैरिफ 100फीसदी से कोटा सिस्टम के तहत 10फीसदी तक आ जाएगा। इससे ये कारें 20-30फीसदी सस्ती हो सकती हैं। खाद्य और पेय पदार्थः यूके से आयात होने वाले सैल्मन, लैंब, चॉकलेट, बिस्किट और सॉफ्ट ड्रिंक्स पर टैरिफ कम होगा। इससे ये उत्पाद सस्ते होंगे। कॉस्मेटिक्स और मेडिकल डिवाइसः यूके के कॉस्मेटिक्स, मेडिकल उपकरण और एयरोस्पेस पार्ट्स पर कम टैरिफ से ये सामान सस्ते होंगे। टैरिफ 15फीसदी से घटकर 3फीसदी पर आ जाएगा। फैशन और कपड़ेः ब्रिटेन से आने वाले ब्रांडेड कपड़े, फैशन प्रोडक्ट्स और होमवेयर भी सस्ते होंगे। वहीं फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स भी कम कीमत पर मिलेंगे। सवाल 2: भारत के किन-किन सेक्टर्स को फायदा होगा? जवाबः टेक्सटाइल से लेकर इंजीनियरिंग, मेडिकल और केमिकल जैसे सेक्टर्स को फायदा होगा। 1. टेक्सटाइल सेक्टर-यूके में भारतीय कपड़ों और होम टेक्सटाइल्स जैसे चादर, परदे पर 8-12फीसदी टैक्स लगता था, वो अब पूरी तरह खत्म हो जाएगा। इससे हमारे कपड़े बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के मुकाबले सस्ते और ज्यादा कॉम्पिटीटिव हो जाएंगे। तिरुप्पुर, सूरत और लुधियाना जैसे एक्सपोर्ट हब में अगले तीन साल में 40फीसदी तक की ग्रोथ हो सकती है। 2. गहने और चमड़े का सामान- भारत से यूके जाने वाली ज्वेलरी और चमड़े के सामान जैसे बैग, जूतों पर अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। इससे छोटे बिजनेस और लग्जरी ब्रांड्स को बड़ा फायदा होगा। साथ ही यूके के रास्ते यूरोप में भारत का दबदबा और बढ़ेगा। 3. इंजीनियरिंग सामान और ऑटो पार्ट्स-यूके के भारतीय मशीनरी, इंजीनियरिंग मजबूत होगी। पुणे, चेन्नई और गुड़गांव जैसे मैन्युफैक्चरिंग हब को फायदा होगा। 4. दवाइयां और मेडिकल डिवाइस- भारतीय फार्मा कंपनियों को यूके में जेनेरिक दवाइयों के लिए आसान रजिस्ट्रेशन प्रोसेस मिलेगी। इससे भारत की दवाइयां यूके की हेल्थ सर्विस में आसानी से पहुंचेंगी और दवाओं का अप्रूवल भी जल्दी मिलेगा। 6. खाने-पीने का सामान, चाय, मसाले और समुद्री प्रोडक्ट्सः- बासमती चावल, झींगा जैसे समुद्री प्रोडक्ट, प्रीमियम चाय और मसालों पर यूके का इम्पोर्ट टैक्स खत्म हो जाएगा। इससे असम, गुजरात, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे इलाकों की एक्सपोर्ट इंडस्ट्री को बड़ा बूस्ट मिलेगा।7. केमिकल्स और स्पेशलिटी मटेरियल्स- एग्रोकेमिकल्स, प्लास्टिक और स्पेशल केमिकल्स पर टैक्स कम होने से गुजरात और महाराष्ट्र जैसे प्रमुख हब से निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। इस डील के तहत भारत का लक्ष्य है कि 2030 तक यूके में अपने केमिकल निर्यात को दोगुना कर दे। 8. ग्रीन एनर्जी और क्लीनटेक- ये समझौता रिन्यूएबल एनर्जी में जॉइंट वेंचर्स का रास्ता खोलेगा, जिसमें सोलर, ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) इन्फ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। यूके भारत के क्लीन एनर्जी सेक्टर में और निवेश करेगा, जिससे नई टेक्नोलॉजीज का को-डेवलपमेंट होगा। सवाल 3: इस डील से भारत की अर्थव्यवस्था को क्या फायदा होगा? जवाबः एफटीए भारत की अर्थव्यवस्था के लिए कई तरह से फायदेमंद हैः-निर्यात में बढ़ोतरीः 99फीसदी भारतीय सामानों को यूके में शून्य टैरिफ पर निर्यात किया जाएगा। इससे टेक्सटाइल, चमड़ा, रत्न-आभूषण, मरीन प्रोडक्ट्स, और इंजीनियरिंग सामान जैसे क्षेत्रों को फायदा होगा। भारत का यूके को निर्यात 2030 तक 29 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। रोजगार बढ़ेगाः टेक्सटाइल और चमड़ा जैसे लेबर बेस्ड सेक्टर में नई नौकरियां पैदा होंगी। टेक्सटाइल सेक्टर में रोजगार दोगुना हो सकता है। एमएसएमई को मार्जिन मिलेंगे। निवेश में बढ़ोतरीः यूके की कंपनियां भारत में आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज और ग्रीन टेक्नोलॉजी में निवेश बढ़ाएंगी। यह भारत के मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर को मजबूत करेगा। आर्थिक विकासः यह डील 2030 तक भारत-यूके व्यापार को 15फीसदी सालाना बढ़ाएगी। यह भारत के 100 बिलियन डॉलर के व्यापार लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेगी। सवाल 4: भारत-यूके के बीच एग्रीमेंट को लेकर बातचीत कब शुरू हुई थी? जवाबः भारत और यूके के बीच एग्रीमेंट को लेकर बातचीत 13 जनवरी 2022 को शुरू हुई थी, जो करीब 3.5 साल बाद पूरी हुई। 2014 से भारत ने मॉरीशस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और ईएफटीए (यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन) के साथ 3 ऐसे फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत यूरोपियन यूनियन (ईयू) के साथ इसी तरह के समझौतों पर एक्टिवली बातचीत कर रहा है। सवाल 5: ट्रेड एग्रीमेंट्स कितने टाइप के होते हैं? जवाबः फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स को उसके नेचर के हिसाब से अलग-अलग नाम दिए जाते हैं। इनमें पीटीए (प्रेफरेंशियल), आरटीए (रीजनल) और बीटीए (बाइलेटरल) शामिल हैं। डब्लूटीओ इस तरह के सभी इकोनॉमिक इंगेजमेंट्स को आरटीए नाम देता है। सवाल 7: भारत ने किन देशों के साथ इन समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं? जवाबः भारत ने श्रीलंका, भूटान, थाईलैंड, सिंगापुर, मलेशिया, कोरिया, जापान, ऑस्ट्रेलिया, यूएई, मॉरीशस, एसेन और ईएफटीए ब्लॉक्स के साथ ट्रेड एग्रीमेंट्स किए हैं। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के अनुसार, एशिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के साथ डील हासिल करने के बाद भारत ने अपना एफटीए फोकस ईस्ट (एसेन, जापान, कोरिया) से वेस्टर्न पार्टनर्स की ओर शिफ्ट कर दिया है। भारत अब एक्सपोर्ट्स का विस्तार करने और वेस्ट की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से व्यापार संबंधों को मजबूत करने के लिए ईयू और यूएस के साथ एफटीए को प्राथमिकता दे रहा है।

प्रदर्शन कॉकरोच पार्टी का फिर सोनम वांगचुक आमरण अनशन पर क्यों, क्या सरकार मांगें मानेगी, तबीयत बिगड़ी तो क्या होगा

नयी दिल्ली। 59 साल के सोनम वांगचुक 17 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। सिर्फ नमक का पानी ले रहे हैं। 8.5 किलो वजन गिर चुका है। उनके पीछे बैनर कॉकरोच जनता पार्टी का है,

जिसकी मांग है- शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा। सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा- सरकार बात तक करने को तैयार नहीं, मरने के लिए छोड़ दिया है। सोनम वांगचुक सीजेपी के प्रोटेस्ट में अनशन पर क्यों बैठे? जवाबः कॉकरोच जनता पार्टी के मुखिया अभिजीत दीपके ने 6 जून को जंतर-मंतर पर पहली बार प्रोटेस्ट करने का ऐलान किया। 2 जून को एक्स पर वीडियो जारी करके सोनम वांगचुक ने भी समर्थन दिया, 'मैं सीजेपी के आंदोलन से जुड़ने आ रहा हूं। सीजेपी वाले देशप्रेमी हैं, आपको भी उनके साथ जुड़ना चाहिए।' 6 जून को कंधे पर एक झोला टांगे और हाथों में गुलाब लेकर जंतर-मंतर पहुंचे। इस प्रोटेस्ट पर सरकार ने कोई बयान तक नहीं दिया। फिर 20 जून को सीजेपी ने जंतर-मंतर पर दोबारा प्रोटेस्ट शुरू किया। सोनम ने भी केंद्र सरकार से 2 मांगें रखीं- धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने और पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग। सोनम ने कहा कि इन दोनों मांगों पर 27 जून तक सरकार के जवाब का इंतजार करेंगे। फिर अनशन शुरू करेंगे और अगर एक भी मांग पूरी हुई, तो अनशन वापस भी ले लेंगे। सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया, तो रविवार, 28 जून को सोनम सीजेपी के प्रोटेस्ट में शामिल हो गए। वामपंथी स्टूडेंट ऑर्गेनाइजेशन ऑल इंडियन स्टूडेंट्स एसोसिएशन, यानी आईसा के 6 मेंबर्स के साथ भूख हड़ताल शुरू कर दी। सोनम ने कहा, 'मैं मजबूर हूं, खुशी से यहां नहीं आया हूं। दोनों मुद्दों के समर्थन में अनशन पर बैठा हूं। लोग मुझसे पूछते हैं, 'आप लद्दाख में आंदोलन कर रहे थे, अब आप सीजेपी के साथ क्यों हैं?' एजुकेशन, जो यहां का मुद्दा है, पिछले 40 सालों से मेरे दिल के बहुत करीब रहा है, जब मैं स्टूडेंट था तब से। जब कुछ युवा एजुकेशन सिस्टम की दिक्कतों पर आवाज उठा रहे हैं, तो मैं चुप कैसे रह सकता था?' हालांकि 13 जून को सोनम ने पत्रकारों से कहा कि अभी वह शिक्षा के मुद्दे को लेकर जंतर-मंतर पर मौजूद हैं। लद्दाख के मुद्दे पर सरकार से बातचीत जारी है, कुछ सहमति भी बनी है, लेकिन जमीन पर उतरना बाकी है। सरकार चाहे तो मानसून सत्र में ही इसका समाधान कर सकती है। सवाल-2: धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के मामले पर सरकार का क्या रुख है? जवाबः सीजेपी की मांग है कि धर्मेंद्र प्रधान तुरंत इस्तीफा दें। मई में नीट पेपर लीक के बाद एग्जाम रद्द करना पड़ा था। देश भर में 14 से ज्यादा नीट की तैयारी करने वाले बच्चों ने सुसाइड कर लिया। इसकी नैतिक जिम्मेदारी शिक्षा मंत्री को लेनी चाहिए। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के आसार नहीं दिख रहे हैं-23 जून को धर्मेंद्र प्रधान ने एक इंटरव्यू में सीजेपी को दहशतगर्दों की बी टीम बताया। उन्होंने कहा, 'जिन्हें डेमोक्रेसी में रिजेक्ट कर दिया गया था, वे भेष बदलकर आए हैं और अब सिस्टम के पीछे पड़े हैं। वे उन लोगों के लिए नारे लगाते हैं, जो देश को बांटना चाहते हैं। उनकी पहचान हो गई है।' बीजेपी में मंत्रियों के इस्तीफा का रिवाज नहीं है। जब 2015 में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के इस्तीफे की मांग उठी थी, तब गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि मोदी सरकार में मंत्रियों के इस्तीफे नहीं होते। 2018 मी मीटू विवाद के चलते विदेश राज्यमंत्री एम. जे. अकबर को छोड़ दें, तो 12 साल में मोदी सरकार के किसी और मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया है। पॉलिटिकल एनालिस्ट रशीद किदवई कहते हैं कि अगर सरकार ने धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा ले लिया, तो ये मैसेज जा सकता है कि उनसे गलती हुई है। मोदी सरकार में ऐसा होना मुश्किल है। सोनम वांगचुक के अनशन को लेकर अभी तक बीजेपी के किसी नेता, मंत्री ने कोई बयान नहीं दिया है। अभिजीत दीपके ने खुद कहा है कि केंद्र सरकार में से कोई वांगचुक से मिलने नहीं आया। न ही बातचीत की कोई इच्छा जताई है। हालांकि सूत्रों के मुताबिक, आने वाले दिनों में मोदी मंत्रिमंडल में फेरबदल होने वाला है। इसमें धर्मेंद्र प्रधान से शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी लेकर कोई और मंत्रालय या बीजेपी संगठन में कोई जिम्मेदारी दी जा सकती है। सवाल-3: अगर सोनम ने अनशन नहीं तोड़ा, तो आगे क्या होगा? जवाबः कोई व्यक्ति 3 मिनट बिना ऑक्सीजन, 3 दिन बिना पानी और 3 हफ्ते बिना खाए रह सकता है। इसे सर्वाइवल का 'रूल ऑफ थ्री' कहते हैं। हालांकि इंसान बिना खाने के कितने दिन जिंदा रह सकता है, ये शरीर की संरचना, अनशन के दौरान हाइड्रेशन और शारीरिक बीमारी जैसी चीजों पर निर्भर करता है। डॉक्टर्स के मुताबिक कई लोग सिर्फ नमक वाला पानी पीकर ही 2 से 3 महीने तक जिंदा रह लेते हैं। जब भूख हड़ताल की वजह से व्यक्ति का वजन 10फीसदी से ज्यादा गिर जाता है, तो उसे डॉक्टर की निगरानी में रखने की सलाह दी जाती है। आमतौर पर जब शरीर को खाना नहीं मिलता, तो ऊर्जा के लिए- पहले 24 घंटे में शरीर पहले से जमा ग्लूकोज खर्च करता है। दूसरे-तीसरे दिन से शरीर में जमी चर्बी को तोड़कर ऊर्जा लेता है। इससे वजन तेजी से कम होता है। जब चर्बी खत्म होने लगती है तो शरीर मांसपेशियों के प्रोटीन को तोड़ने लगता है। दिल्ली के सी. के. बिरला हॉस्पिटल में इंटरनल मेडिसिन डिपार्टमेंट के डॉ. अमित प्रकाश सिंह कहते हैं, 'करीब दो हफ्ते के उपवास के बाद दिल, लिवर, किडनी जैसे अंग कमजोर पड़ने लगते हैं। यह जानलेवा हो सकता है। कई लोग सोनम से अनशन तोड़ने की अपील कर रहे हैं। सोनम इस पर राजी नहीं हैं। कह रहे हैं, 'मैंने जो शुरू किया है, उसे उसके निष्कर्ष तक पहुंचाना होगा। सीजेपी ने 20 जुलाई को संसद के मानसून सत्र की शुरुआत के दिन ही जंतर-मंतर से संसद तक पैदल मार्च बुलाया है। सोनम ने लोगों से इसमें शामिल होने की अपील करते हुए कहा है, 'मैं अपनी बची हुई ताकत के साथ इसमें शामिल रहूंगा। देश में आजादी से चलने और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रखने का अधिकार है। इससे नहीं रोका जाना चाहिए।' सीनियर पत्रकार अरुण दीक्षित कहते हैं, 'अभी ऐसा नहीं लग रहा है कि सरकार सोनम की मांगों पर बहुत ध्यान देगी। हालांकि इस बीच अगर सोनम की तबीयत ज्यादा बिगड़ी, तो उनको उठाकर इलाज के लिए भेजा जा सकता है और अनशन तुड़वाया जा सकता है।' जबरन अनशन तुड़वाने का सबसे चर्चित मामला मणिपुर की इरोम चानू शर्मिला का है। 4 नवंबर 2000 को उन्होंने सशस्त्र बलों को विशेष शक्तियां देने वाले कानून आफ्स्पा हटानी की मांग पर भूख हड़ताल शुरू की। तीसरे दिन सरकार ने आत्महत्या के प्रयास के तहत केस दर्ज किया और गिरफ्तार कर लिया। उन्हें जबरन नाक में फीडिंग ट्यूब डालकर खाना देना शुरू कर दिया। 2016 तक इंफाल के सरकारी अस्पताल के एक कमरे को अस्थायी जेल बनाकर रखा गया, और उन्हें ट्यूब से जबरन फ्लूइड दिया जाता रहा। 9 अगस्त 2016 को इरोम ने खुद ही अपना अनशन खत्म कर दिया। सवाल-4: क्या इससे पहले भी सोनम ने अनशन किए, तब सरकार का क्या रुख रहा? जवाबः इससे पहले सोनम लद्दाख के मुद्दों को लेकर कई बार भूख हड़ताल और पैदल यात्राएं वगैरह कर चुके हैं। कभी सरकार के आश्वासन पर उन्होंने अनशन तोड़ा, तो कभी हिरासत में ले लिए गए-26 जनवरी 2023 को सोनम ने लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग के लिए 18,000 फीट की ऊंचाई पर खारदुंगला दर्रे पर 5 दिन के लिए अनशन पर जाने की कोशिश की। यहां पर तापमान -40 डिग्री तक रहता है। हालांकि ऑफिसर्स ने उन्हें घर में नजरबंद कर दिया। 18 जून 2023 को वांगचुक ने लेह के एनडीएस स्टेडियम में दोबारा अनशन शुरू किया और 26 जून को अनशन समाप्त किया। सितंबर 2024 में सोनम ने 130 लोगों के साथ लेह से दिल्ली तक करीब एक हजार किमी की 'दिल्ली चलो पदयात्रा' शुरू की। इस यात्रा में 130 लोग शामिल हुए थे। 30 सितंबर को दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर दिल्ली पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। दिल्ली में कुछ विपक्षी नेताओं ने उनसे मुलाकात की। 5 अक्टूबर 2024 से सोनम ने दिल्ली के लद्दाख भवन में भूख हड़ताल शुरू की। इस दौरान, स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) जैसे संगठनों ने उनका समर्थन किया। 21 अक्टूबर 2024 को गृह मंत्रालय ने दिसंबर में उनसे बातचीत का भरोसा दिया, इसके बाद उन्होंने अनशन तोड़ दिया। 10 सितंबर 2025 को सोनम और एलएबी के मेंबर्स ने 35 दिन की भूख हड़ताल शुरू की। 24 सितंबर को लेह में हिंसक प्रदर्शन भड़के। बीजेपी कार्यालय जलाया गया, पुलिस फायरिंग में 4 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। 25 सितंबर को वांगचुक को हिंसा भड़काने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत गिरफ्तार कर जोधपुर जेल भेजा दिया गया। 170 दिन बाद 14 मार्च 2026 को सोनम जेल से रिहा हुए। सवाल-5: लद्दाख का मुद्दा क्या है, जिस पर सरकार से भिड़े हुए हैं सोनम? जवाबः 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद लद्दाख को केंद्र-शासित प्रदेश (यूटी) बना दिया गया था। इससे जम्मू-कश्मीर विधान परिषद में लद्दाख का प्रतिनिधित्व लगभग खत्म हो गया और हिल डेवलपमेंट काउंसिल लेह और कारगिल के जरिए लद्दाख का प्रशासनिक कामकाज शुरू हुआ। यूटी बनने से पहले LAHDC के पास कैबिनेट के बराबर अधिकार थे, लेकिन यूटी बनने के बाद इनकी ताकत सिर्फ कागजी रह गई है। LAHDC के पास आर्थिक मामले देखने के भी अधिकार भी नहीं हैं। लद्दाख के यूटी बनने के बाद से सोनम 4 मांगें कर रहे हैं-लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाए। संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए। अलग लोक सेवा आयोग बनाया जाए, ताकि स्थानीय लोगों को सरकारी नौकरी मिले। राज्यसभा में एक सीट आवंटित हो और लोकसभा सीटों की संख्या एक से बढ़ाकर दो हों। अगर ये मांगें मान ली जाएं, तो लद्दाख के जिलों में स्वायत्त जिला परिषदों का गठन हो सकेगा और जंगल, जमीन, पुलिसिंग, खेती आदि से जुड़े कानून बनाने का अधिकार स्थानीय लोगों को मिल जाएंगे। कई दौर की बैठकों के बावजूद अभी तक सरकार ने कोई फैसला नहीं लिया है। हालांकि 13 जुलाई को लद्दाख के प्रमुख सचिव आशीष कुंद्रा ने कहा है कि सभी 7 जिलों में ऑटोनॉमस हिल डेवलपमेंट काउंसिल, यानी एएचडीसी बनेगी। इस बॉडी को संविधान के आर्टिकल-371 के खास ढांचे के तहत विधायी, वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार मिलेंगे। ये केंद्र शासित प्रदेश और पूर्ण राज्य के बीच की व्यवस्था कही जा सकती है। आर्टिकल-371 के ही तहत महाराष्ट्र, गुजरात, मणिपुर जैसे 12 राज्यों को प्रशासन से जुड़े विशेष अधिकार मिले हुए हैं। 13 जुलाई को सोनम ने कहा कि बातचीत जारी है, लेकिन इसके जमीन पर उतरने का इंतजार है। उन्होंने ये उम्मीद भी जताई कि 20 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र के दौरान इस पर कोई फैसला ले सकती है। सरकार चाहे, तो संसद से संविधान संशोधन विधेयक पास करवाकर लद्दाख में पूर्ण राज्य के प्रावधान लागू कर सकती है। हालांकि अभी सरकार की तरफ से कोई बयान नहीं आया है।

जरीन के बाद पैप्स पर भड़कीं मौनी रॉय,कार के शीशे से वीडियो बनाने पर बोलीं- बंद करो, दोस्तों के साथ डिनर पर गई थीं

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान के बाद अब मौनी रॉय भी पैपराजी पर भड़क गईं हैं। दरअसल मंगलवार रात मुंबई में दोस्तों के साथ डिनर के बाद जब वे अपनी कार में बैठीं, तो फोटोग्राफर्स लगातार उनका वीडियो बनाने लगे। इससे गुस्सा होकर मौनी ने हाथ के इशारे से कैमरे बंद करने को कहा। वीडियो में दिख रहा है कि मौनी रॉय अपनी कार की सीट पर बैठी हैं। उन्होंने स्लीवलेस ब्लैक आउटफिट पहना है और बाल खुले रखे हैं। कार के अंदर बैठे होने के बाद भी जब फोटोग्राफर्स खिड़की से लगातार उनका वीडियो रिकॉर्ड करते रहे, तो मौनी का गुस्सा बढ़ गया। उन्होंने पहले हाथ से इशारा किया और फिर उंगली दिखाते हुए सख्त लहजे में कहा, 'बंद करो।' मौनी ने काफी धैर्य रखने की कोशिश की, लेकिन पैपराजी के न मानने पर वे नाराज हो गईं और फिर उनकी गाड़ी वहां से रवाना हो गई। जरीन खान ने कहा- फालतूगिरी मत करनाः-इससे पहले एक्ट्रेस जरीन खान भी पैपराजी पर बुरी तरह गुस्सा हो गई थीं। एक ब्रांड इवेंट के दौरान जरीन ने पैपराजी को फटकार लगाते हुए कहा की मेरे साथ फालतूगिरी की बातें नहीं करना। उन्होंने सख्त लहजे में सामने वाले को अपनी हद में रहने की हिदायत दी। दरअसल जरीन खान मुंबई में एक क्लोदिंग ब्रांड के प्रमोशन इवेंट में पहुंची थीं। वे हरे रंग की ड्रेस पहने हुए

मीडिया के कैमरों के सामने डेनिम जैकेट और जींस को डिस्प्ले कर रही थीं। इसी दौरान वहां मौजूद पैपराजी ने उनसे कहा की ड्रेस ट्राई करके दिखाओ। एक्ट्रेस को ये बात बिल्कुल पसंद नहीं आई। जरीन खान ने कहा, 'फालतूगिरी की बातें नहीं करना मेरे साथ, क्योंकि मैं ऐसी चीजें बर्दाश्त करने वालों में से नहीं हूं। अपनी हद में रहकर बात करना।' यह बात कहते हुए जरीन के चेहरे पर साफ तौर पर गुस्सा देखा जा सकता है। हाल ही में नेहा धूपिया भी दे चुकीं हिदायतः- गोल्ड स्क्रीमिंग अवॉर्ड सेरेमनी में नेहा धूपिया पैपराजी पर भड़क गई थीं। एक्ट्रेस ने बैक शॉट लेने और उन्हें पोस्ट करने पर नाराजगी जाहिर की और पैपराजी को कड़े शब्दों में वॉर्निंग भी दी। सेरेमनी से नेहा धूपिया अवॉर्ड लेकर निकल रही थीं। तभी पैपराजी ने उनके ग्रे हेयर पर कमेंट किया, जिसके जवाब में भड़कते हुए उन्होंने कहा है, 'बोल लिया? कर लिया? ये बदतमीजी से बैक शॉट कौन लेता है तुम लोगों में से? कौन लेता है? छापता कौन है? मत करो। मेरा नहीं करना है, किसी का नहीं करना है। बोल-बोलकर थक गए हैं।' आगे एक्ट्रेस ने कहा, 'हम लोगों का काम नहीं है ये। हम बाहर आते हैं, तो आप लोग वहां ये सब करते हैं, बैग उठाकर, बुक उठाकर, पीछे से चलते हुए, ये सब नहीं चलेगा अभी। बंद करो ये सब। बहुत इज्जत से आप लोगों से बात करते हैं, ये सब मत करो। मत करो, बिल्कुल ये सब मत करो।' मलाइका अरोड़ा ने लगाई थी पैपराजी की क्लास-कुछ समय पहले ही मलाइका अरोड़ा का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वो पैपराजी पर गुस्सा करती दिखी थीं। दरअसल, एक इवेंट के बाद मलाइका एक शख्स से बात कर रही थीं, लेकिन पैपराजी प्राइवेसी देने के बजाए लगातार उनका वीडियो ले रहे थे। ये देख एक्ट्रेस भड़क गईं और कहा- इधर ही आ जाओ। सलमान भी पैपराजी पर भड़के थेः-वहीं, पिछले महीने सलमान खान भी पैपराजी पर भड़क गए थे। दरअसल, वे हिंदुजा अस्पताल पहुंचे थे, जहां से निकलते समय पैपराजी के शोर से एक्टर भड़क गए थे। हालांकि, बाद में जब सलमान फिल्म राजा शिवाजी की सक्सेस पार्टी में पहुंचे, तब सभी पैपराजी ने उनसे माफी मांगी थी। सलमान जैसे ही पार्टी में पहुंचे, वैसे ही सभी पैपराजी ने उन्हें घेर लिया और माफी मांगने लगे। सभी एक साथ, 'सॉरी भाईजान, जोर से बोलो सॉरी', कहते दिखे। इसके बाद सलमान ने भी उनकी माफी कबूल कर ली थी।

कृति सेनन रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ भारत-इंग्लैंड मैच देखने पहुंचीं,लंबे समय से डेटिंग की चर्चा

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन मंगलवार को इंग्लैंड के

बर्मिंघम में भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे मैच देखने पहुंचीं। इस दौरान उनके साथ उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड और बिजनेसमैन कबीर बहिया भी मौजूद थे। दोनों को स्टेडियम के स्टैंड्स में एक साथ मैच इंजॉय करते देखा गया। कृति और कबीर बहिया ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर स्टेडियम की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें दोनों एक दोस्त के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिससे दोनों के रिलेशनशिप की चर्चा एक बार फिर तेज हो गई है। कबीर बहिया ने शेयर की स्टेडियम की तस्वीरें कबीर बहिया ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के जरिए फैंस को इस आउटिंग की झलक दिखाई। उन्होंने स्टेडियम से कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें कृति सेनन, कबीर और उनका एक दोस्त एक साथ नजर आ रहे हैं। कबीर के फोटो शेयर करने के कुछ ही समय बाद, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी एजबेस्टन स्टेडियम के स्टैंड्स से कृति की कई तस्वीरें सामने आईं। मैच के दौरान कृति सेनन

काफी खुश नजर आ रही थीं और वे टीम इंडिया को चीयर कर रही थीं। पिछले कुछ महीनों से हैं डेटिंग की चर्चा कृति सेनन और कबीर बहिया को रिलेशनशिप की खबरें कुछ महीने पहले तब शुरू हुई थीं, जब एक्ट्रेस ने अपना 34वां जन्मदिन मनाया था। तब से उनके रोमांस की खबरें लगातार मीडिया में बनी हुई हैं। दोनों को कई मौकों पर एक साथ देखा गया है, हालांकि दोनों की तरफ से रिश्ते को लेकर कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। इससे पहले कबीर बहिया को कृति की बहन नुपुर सेनन और सिंगर स्टीबिन बेन की शादी में भी देखा गया था, जहां वे पारिवारिक फंक्शंस का हिस्सा बने थे। कौन हैं कृति के रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया कबीर बहिया ब्रिटेन के एक बड़े बिजनेसमैन हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई इंग्लैंड के एक बोर्डिंग स्कूल से पूरी की है। कबीर 'वर्ल्डवाइड एविएशन एंड टूरिज्म लिमिटेड' कंपनी के फाउंडर हैं। वे एक जाने-माने बिजनेस परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता कुलजिंदर बहिया हैं, जो ब्रिटेन की प्रमुख ट्रैवल एजेंसी 'साउथऑल ट्रैवल' के मालिक हैं। कबीर की खेल और बॉलीवुड जगत की कई हस्तियों के साथ अच्छी जान-पहचान है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'कॉकटेल 2' वर्क फ्रंट की बात करें तो कृति सेनन को हाल ही में होमी अडजानिया की फिल्म 'कॉकटेल 2' में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। 'कॉकटेल 2' की रिलीज के बाद कृति ने काम से थोड़ा ब्रेक लिया है और वे छुट्टियों का आनंद ले रही हैं।

बेस्ट फ्रेंड से प्यार करने लगी हूं, डर है, दिल की बात बताने से दोस्ती न टूट जाए, क्या करूं-उसे कहूं या नहीं

नोएडा। विषय को समझेंगे सोर्सः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरी उम्र 27 साल है। मेरा एक बहुत अच्छा दोस्त है। हम कॉलेज के फर्स्ट ईयर से साथ हैं। अब जॉब के कारण अलग-अलग शहरों में रह रहे हैं, लेकिन हमारी दोस्ती बहुत मजबूत है। उसकी जिंदगी में कुछ भी होता है तो वो सबसे पहले मुझे फोन करता है। मेरे साथ भी ऐसा ही है। लेकिन मेरी एक प्रॉब्लम है। पिछले कुछ समय से ऐसा लग रहा है कि मुझे अपने बेस्ट फ्रेंड से प्यार हो गया है। मैं उसे उस नजर से देख रही हूं, जैसा पहले कभी नहीं देखा। मैं नहीं जानती कि उसके मन में क्या है। वो तो शायद मुझे सिर्फ बेस्ट फ्रेंड की तरह ही देखता है। क्या मुझे उसे अपने दिल की बात बता देनी चाहिए। कहीं हमारी दोस्ती टूट गई तो। दिल में हर तरह के बुरे ख्याल आते हैं। प्लीज बताइए, क्या करूं? जवाब- आपको अपने बेस्ट फ्रेंड से प्यार हो गया है। इसमें कुछ भी अजीब या अस्वाभाविक नहीं है। जिसके साथ हम सबसे ज्यादा वक्त गुजारते हैं, जिस पर सबसे ज्यादा भरोसा करते हैं, जिसे अपने दिल की हर बात बताते हैं, उसके लिए मन में रोमांटिक भावनाएं भी विकसित हो जाना बहुत स्वाभाविक है। दोस्त जब सिर्फ दोस्त नहीं लगता, वहीं से यह दुविधा शुरू होती है कि दिल की बात कह दें या दोस्ती खोने के डर से मन में ही रखें? ऐसे में सवाल ये है कि क्या करें कि न अपनी भावनाओं से भागना पड़े और न किसी रिश्ते को बिना वजह नुकसान पहुंचे। क्या दोस्ती प्यार में बदल सकती है? ऐसा नहीं है कि अगर दो लोगों के बीच गहरी दोस्ती है, तो प्यार नहीं हो सकता है? ऐसा भी नहीं होता कि अगर प्यार की शुरुआत हुई तो दोस्ती खत्म हो जाएगी। सच तो यह है कि दोस्ती और प्यार, दोनों अलग भी हो सकते हैं और साथ भी हो सकते हैं। दोनों एक-दूसरे के पूरक भी हो सकते हैं।दोस्ती और प्यार के बीच सिर्फ इतना ही फर्क है कि दोस्ती में अभी तक 'रोमांटिक जेस्चर' नहीं है। यह सच है कि हर दोस्ती, मोहब्बत में बदल जाए, ये जरूरी नहीं। लेकिन हर सच्ची और लंबी चलने वाली मोहब्बत की बुनियाद में एक गहरी दोस्ती जरूर होती है। आप दोनों पहले से ही उस मजबूत बुनियाद पर खड़े हैं। दोस्ती और प्यार में क्या कॉमन? दोस्ती- प्यार, भरोसा, सम्मान, अश्योरेंस, अच्छे-बुरे वक्त में साथ। पहले से नेगेटिव क्यों सोचना? जब आप दोनों एक-दूसरे के इतने करीब हैं कि जिंदगी की हर छोटी-बड़ी बात सबसे पहले आपस में शेयर करते हैं, तो सिर्फ नेगेटिव ही क्यों सोचना? जैसी भावनाएं, जैसा डर आपके मन में है, वैसा दूसरे व्यक्ति के मन में भी हो सकता है। संभावनाएं असीम हैं। हम जब तक बताएं नहीं, तब तक क्या पता न सोचें। जो जितना दिख रहा है, बस उतने को ही सच मानें। मन में जितने नेगेटिव ख्याल आते हैं, सबको सच नहीं मान लेना चाहिए। अपने मन की कही हर बुरी बात पर भरोसा भी नहीं करना चाहिए। चलेगा। इसलिए डरें नहीं, खामख्याली न बुनें, पहले से नेगेटिव ही नहीं। जीवन का एक जरूरी सबक मिलेगा। इसलिए अंतिम निष्कर्ष यही है कि दिल में प्यार है तो कह दें, जता दें। डरें नहीं, संकोच भी न करें। प्यार किआ तो डरना क्याः- प्यार हो गया है। तो कह दें। डरें नहीं, ज्यादा सोचें नहीं। प्यार कोई अपराध नहीं है। इस अपने मन की बात को बिना किसी डर के सामने रखना ही इस उलझन का एकमात्र इलाज है। लेकिन इसके लिए आपको थोड़ा समझदारी से कदम बढ़ाना होगा ताकि सामने वाले को संभलने का मौका मिले। दिल की बात कैसे कहे- अचानक न कहें। बातों में इशारा दें। ये बातें आमने-सामने करें फोन पर न करें। मिलकर करें। बताएं कि वह कितना स्पेशल है। सिर्फ अपनी भावनाएं बताएं। उस पर जवाब का दबाव न बनाएं। उसे सोचने और अपना सच कहने का समय दें। दिल की बात कहने से पहले खुद से पूछें ये 5 सवालः-क्या यह भावना कई हफ्तों/महीनों से बनी हुई है या कुछ दिनों की है? क्या मैं सच में उसके साथ रिश्ता चाहती हूं या सिर्फ उसके करीब रहना अच्छा लगता है? अगर वह मना कर दे तो क्या मैं उसके फैसले का सम्मान कर पाऊंगी? क्या मैं यह बात इसलिए कहना चाहती हूं कि मन हल्का हो जाए या इसलिए कि रिश्ता आगे बढ़ाना चाहती हूं? क्या मैं उसके जवाब के लिए मानसिक रूप से तैयार हूं, चाहे वह 'हां' हो या 'ना'? अगर जवाब 'ना' हो तो क्या करें? दोस्ती में अपनी भावनाएं बताना आपका अधिकार है, लेकिन उन्हें स्वीकार करना या न करना सामने वाले का अधिकार है। अगर वह आपके प्यार को स्वीकार नहीं करता तो इसका मतलब यह नहीं कि आपकी भावनाएं गलत थीं या आपकी दोस्ती बेकार थी। कुछ समय के लिए दोनों को थोड़ा असहज महसूस हो सकता है। ऐसे में सामने वाले को स्पेस दें, बार-बार इस विषय पर बात करने या अपना फैसला बदलने के लिए दबाव न डालें। अगर दोस्ती सच्ची और परिपक्व है तो थोड़े समय बाद फिर सबकुछ सहज हो जाएगा। अंतिम बातः- हर लव स्टोरी की शुरुआत पहली नजर के आकर्षण से नहीं होती। कुछ रिश्ते समय के साथ धीरे-धीरे आकार लेते हैं। वर्षों की दोस्ती, भरोसा, अपनापन और एक-दूसरे को गहराई से समझने के एहसास से भी प्यार पैदा हो जाता है। भावनाएं दोस्ती से आगे बढ़ जाती हैं। इसलिए अगर आपको अपने किसी करीबी दोस्त के लिए नए भाव महसूस हो रहे हैं, तो उनसे घबराने या जल्दबाजी में कोई फैसला लेने की जरूरत नहीं है। अपने मन को समय दें, अपनी भावनाओं को समझने की कोशिश करें और यह जानें कि आप वास्तव में क्या चाहती हैं। कई बार दिल के सवालों के जवाब तुरंत नहीं मिलते। इसलिए थोड़ा वक्त दें।

पॉजिटिव सोचना और तस्वीर के रौशन पहलू को देख पाना भी जीवन का अभ्यास है। जो दोस्ती सच से टूट जाए, वो सच्ची दोस्ती है क्या? आपका सबसे बड़ा डर ये है कि अपने दिल की बात बताने से कहीं दोस्ती न टूट जाए। लेकिन दोस्ती टूटेगी या नहीं, ये पहले से कैसे तय कर सकते हैं। वो तो उस जगह पहुंचकर, उसमें उतरकर ही समझ आएगा कि क्या होगा। मैं आपके सामने कुछ संभावनाएं रख रही हूं कि क्या-क्या हो सकता है- हो सकता है कि वो प्यार के प्रपोजल को एक्सेप्ट कर ले और कहे, 'ऐसी ही फीलिंग्स उसके मन में भी थीं।' आपकी भावनाओं को समझे, उसकी रिस्पेक्ट करे, लेकिन कहे कि उसके मन में अभी ऐसी भावना नहीं है। प्यार के प्रपोजल को एक्सेप्ट भी न करे और इस बात पर असहज हो जाए, नाराज हो जाए और दोस्ती तोड़ ले। समझने वाली बात मैक्सिमम ये तीन संभावनाएं ही हैं। इसलिए- प्यार को स्वीकार कर लिया तो दोस्ती प्यार में बदल जाएगी। प्यार को नहीं स्वीकारा तो भी दोस्ती तो बनी ही रहेगी। दोस्ती तोड़ ली तो आपको पता चलेगा कि जिसे सच्चा दोस्त समझा था, वो तो दोस्त था बात का गिल्ट न लें। नाराजगी के ख्याल से न डरें। अपने प्यार पर भरोसा रखें। मन को दबाएं नहीं, घुटकर जिएं नहीं। दुनिया में दो ही बातें सबसे सुंदर हैं- प्यार करना और सच बोलना। दिल की बात कब कहें? अपनी फीलिंग्स के साथ थोड़ा ठहरें। कहना जरूरी है, लेकिन कहने की जल्दबाजी न करें। इस बीच अपनी फीलिंग्स को रोज एक डायरी में नोट करें। आप एक 'इमोशंस जरनल' बना सकती हैं। अपनी फीलिंग्स की बारीकियों को समझने की कोशिश करें। जैसेकि- उसकी कौन सी बात आपको अच्छी लगती है। उसकी उपस्थिति का ख्याल आपके दिन भर के रूटीन को कैसे प्रभावित करता है। अगर उसका फोन या मैसेज न आए तो दिन कैसा गुजरता है। अगर उससे बात न हो पाए तो क्या बेचैनी होती है। अगर फोन, मैसेज आए तो क्या पेट में तितलियां उड़ने लगती हैं। हर दिन के इमोशन को नोट करें। इस एक्सरसाइज का सिर्फ एक ही मकसद है- भावावेग में, जल्दबाजी में कोई कदम न उठाना। अपने इमोशन के साथ ठहरना, रुकना और खुद से थोड़ा दूर जाकर भी उसे देखना। दिल की बात कैसे कहें?

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।